जयपुर

माहेश्वरी पत्रिका

वर्ष 12 ❖ अंक 10 ❖ मार्च 2022 ❖ मूल्य 10 रु.

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर की प्रस्तुति

राम नवमी
विशेष

परिचय सम्मेलन
26-27 मार्च, 2022
'उत्सव' भवन, विद्याधर नगर, जयपुर

'कौटिल्य' ऑडिटोरियम
MPS कालवाड़ का लोकार्पण
27 मार्च, प्रातः 11 बजे

सर्वधर्म मोक्षधाम चांदपोल
नवनिर्माण का लोकार्पण
अप्रैल, 2022 में

60 वर्षों से आपके विश्वास पर खरा...

माहेश्वरी चाय

आपके कप की चाय

हर दिन ताजगी लायें

आसाम के
बागानों की
चुनिंदा चाय

VOCAL FOR LOCAL

स्थापित 1961

माहेश्वरी टी कम्पनी प्रा. लि.

नाहरगढ़ रोड, चांदपोल बाजार, जयपुर (राज.) फोन : 0141-2740919, 2312723
E-mail : contact@maheshwaritea.com • www.maheshwaritea.com

माहेश्वरी चाय के अलावा अन्य कोई उत्पाद हमारी कम्पनी का नहीं है।

SIDDHI

नकली पैकिंग एवं मिलते-जुलते नाम से सावधान !!!

राम के बिना अधूरा है मानव
कर्त्तव्यपालन का संदेश देते हैं राम

प्रदीप बाहेती

भारतीय संस्कृति जीवन की आशा एवं आनंदमय पक्ष को महत्व देती है। यहां सभी ऋषि-मुनियों व महापुरुषों ने मनुष्य को हर हाल में खुश रहने का संदेश दिया है।

आत्मसम्मान, मर्यादा और विश्वास, जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए इन तीनों का बड़ा महत्व है। इनके बिना सफलता मिलना मुश्किल है। इनका पालन करते हुए धार्मिक परंपराओं को निभाना भी जरूरी होता है। भारतीय संस्कृति का मुख्य तत्व उसकी धार्मिक परंपरा है। भारतीय संस्कृति जीवन की आशा एवं आनंदमय पक्ष को महत्व देती है। यहां सभी ऋषि-मुनियों व महापुरुषों ने मनुष्य को हर हाल में खुश रहने का संदेश दिया है। प्रसन्न रहने की आदत और धार्मिक परंपराओं का पालन सुखी जीवन की नींव होता है।

मर्यादा का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करने के सबसे बड़े उदाहरण हैं भगवान श्रीराम। भगवान श्रीराम के अवतरण का उद्देश्य मर्यादा की स्थापना और रक्षा था। मानव जीवन को सुख, शांति और समृद्धि का आधार बनाने के लिए जिन शाश्वत मर्यादाओं के पालन तथा अंगीकरण की आवश्यकता होती है, भगवान श्रीराम उनके मूर्तरूप हैं। श्रीराम का पावन चरित्र जीवन में नैतिकता, धर्म और कर्त्तव्य पालन का संदेश देता है। रामकथा अच्छे कर्मों द्वारा पुरुष से पुरुषोत्तम यानी पुरुषों में उत्तम बनने की गाथा है।

मानव राम के बिना अधूरा है। राम का चरित्र नैतिक मूल्यों का सशक्त उदाहरण है। उनके द्वारा स्थापित आदर्श व्यक्ति, परिवार, समाज और देश के लिए आदर्श मानवता के मापदंड हैं।

रामनवमी के उपलक्ष्य में माहेश्वरी समाज पत्रिका में भगवान श्रीराम के इन्हीं विविध रूपों से संबंधित सामग्री प्रस्तुत की गई है।

यहाँ यह बताते हुए अपार प्रसन्नता हो रही है कि समाज ने अनेक उपलब्धियाँ और सफलता की प्राप्ति की है। जयपुर में 26-27 मार्च को परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। एमपीएस कालवाड़ में 27 मार्च को बहुप्रतीक्षित कौटिल्य ऑडिटोरियम का लोकार्पण होने जा रहा है। इसके अलावा चांदपोल मोक्षधाम में नवनिर्माण का कार्य भी पूरा हो गया है। इसका लोकार्पण अप्रैल माह में होना संभावित है। यह सब समाज बंधुओं के सहयोग से ही संभव हो पाया है।

सभी को हिंदू नववर्ष एवं रामनवमी की शुभकामनाएँ!

स्वाद की बात - सेहत के साथ

Gangaur®

SINCE 1974

मनाएं होली

गणगौर® की सेहत और स्वाद से भरपूर उत्पाद श्रृंखला के साथ और भरें जीवन में तंदुरूस्ती एवं खुशहाली!

* गणगौर अब नए पैक में भी उपलब्ध

आज ही ऑर्डर करें www.gangaurproducts.com से और पाएं हर कण में शुद्धता का वादा!

MANTRI FOOD INDUSTRIES

Plot No. G/1-458(C), Behind Priya Dharma Kanta,
Shiva Hotel Road, Road No. 12, V.K.I. Area, Jaipur (Raj.)
Phone: 0141-4015444 | www.gangaurproducts.com

SCAN & BUY

Follow us for latest updates !

@gangaurproducts

fssai Licence No.: 12218026000474

जीवन रहते रक्तदान, मरणोपरान्त नेत्रदान-देहदान

वर्ष 12 | अंक 10 | मार्च, 2022
RNI NO. RAJBIL/2010/36984

2621644
2623500
2621100

जयपुर
माहेश्वरी पत्रिका
JAIPUR MAHESHWARI PATRIKA
प्रशासनिक कार्यालय : तृतीय तल, एम.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल, तिलक नगर, जयपुर
पंजीकृत कार्यालय : श्री माहेश्वरी भवन, सिंधी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर
Email : shrimaheshwarisamaj.jaipur@gmail.com
jmpatrika@gmail.com
Website : www.maheshwarisamajjaipur.com

विशेषांक प्रस्तुति :
चन्द्रमोहन शारदा
सलाहकार :
रमेश चन्द जाखोटिया
(संगठन मंत्री)
बृजमोहन बाहेती
संध्या चितलांग्या
राजेन्द्र गट्टानी
जयकृष्ण पटवारी
प्रबन्ध सम्पादक :
सुनील अजमेरा (मालवीय नगर)
सह-प्रबन्ध सम्पादक :
विनोद अजमेरा
सह-सम्पादक :
सी.ए. राजकुमार गट्टानी
सी.ए. दिलीप सारड़ा
निरंजन राठी
सतीश नागौरी (जोधपुरवाला)
किशन स्वरूप कालानी
पंकज काबरा
प्रवीण भूतड़ा
पंकज चितलांग्या
सम्पादकीय टीम :
सुनील कुमार नौगजा
सुभाष काबरा
द्वारका प्रसाद तापड़िया
कमल किशोर मूंदड़ा
बालकृष्ण जाजू 'बालक'
सी.ए. वरूण धूत
महेश अजमेरा
श्याम रतन पटवारी
विज्ञापन समन्वयक :
श्रीकिशन अजमेरा
रामकृष्ण बागला
विज्ञापन सह-संयोजक :
नवलकिशोर माहेश्वरी (सांभरवाला)
अंकुर बल्लभ चितलांगिया
विज्ञापन संकलन टीम :
देवेन्द्र झंवर, गोपाल तामड़ी
जयकुमार चांडक
सी.ए. योगेश जाजू
अमित चांडक
डॉ. रमेश मालू
साज-सज्जा
कैलाश प्रजापत
आभार : भास्कर।
गोपाल लाल मालपानी-महामंत्री द्वारा
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक व मुद्रक

गोपाल लाल मालपानी
महामंत्री

सतीश कुमार सारडा
प्रचार मंत्री

रामदास कोठ्यारी
संपादक

बढ़ रही हैं सामाजिक गतिविधियाँ

जीवन की नीरसता दूर करते हैं पर्व

हर व्यक्ति जीवन में कुछ न कुछ बदलाव यानी नया चाहता है। इससे जीवन की एकरसता दूर होती है। पिछले कुछ समय से कोरोना के कारण उसका जीवन नीरस सा होकर रह गया था। अब कुछ समय से बाजारों में चहल-पहल व सामाजिक गतिविधियाँ बढ़ी हैं। जीवन की नीरसता कम करने में पर्व-त्यौहार बहुत सहायक होते हैं। ये हमारी खुशियाँ बढ़ाते हैं। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। उसे समाज के लिए कुछ न कुछ करते रहना पड़ता है। उसे करना भी चाहिए, क्योंकि समाज उसके लिए बहुत कुछ करता है।

रामनवमी के उपलक्ष्य में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम पर पत्रिका में इस बार विशेष सामग्री दी गई है।

माहेश्वरी समाज अपनी रचनात्मकता और क्रियाशीलता के लिए जाना जाता है। यह हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी निभा रहा है। समाज की गतिविधियों में तेजी आयी है। प्रसन्नता की बात यह है कि इसमें समाज के सभी वर्गों, छोटे-बड़ों का सहयोग रहता है। समाज के किसी भी कार्य को सम्पन्न कराने में वह पीछे नहीं रहते। प्रसन्नता की बात यह है कि इसमें वे पूरे उत्साह से जुड़ते हैं।

इस माह के अंत में समाज की ओर से युवक-युवती परिचय सम्मेलन होने जा रहा है। इसमें अन्य प्रदेशों से भी सैकड़ों समाज बंधु आयेंगे। इस सम्मेलन की तैयारियाँ कई महिनों से चल रही हैं। माहेश्वरी समाज सामाजिक सरोकारों को काफी महत्व देता है। इस सम्मेलन के जरिए अनेक रिश्ते तय होने की संभावना है। विवाह संबंध तलाशना आजकल बड़ा मुश्किल हो गया है। ऐसे में यह सम्मेलन उपयोगी सिद्ध होते हैं।

समाज के आयोजनों को सहयोग और सफलता मिलती रहे। यही कामना है।

सभी को चैत्र प्रतिपदा (हिंदू नववर्ष) और रामनवमी की शुभकामनाएँ!

रामदास कोठ्यारी
– संपादक

'जयपुर माहेश्वरी पत्रिका' जहाँ भी पहुँच रही है, उसका स्वागत हुआ है।
देशभर से हमें ढेरों बधाइयाँ एवं प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। सभी को छापना संभव नहीं है।
लिहाजा हर माह कुछ प्रतीकात्मक प्रतिक्रिया प्रकाशित कर रहे हैं।
हम कोशिश करेंगे कि सभी पाठकों को व्यक्तिशः धन्यवाद पत्र भेज सकें,
किंतु फिलहाल यही कह सकते हैं कि पाठकों के इस स्नेह से हमारी जिम्मेदारियाँ और बढ़ गई हैं।
– सी.एम. शारदा

अब जोडों के दर्द को सहने की जरूरत नहीं

Fast Track Knee Replacement

अन्य सेवाएं: हिप रिप्लेसमेन्ट
पोस्ट कोविड हिप बोन डेथ (AVN)
आर्थोस्कोपिक घुटने एवं कन्धो की लिगामेंट सर्जरी

- ☑ डबल चेक टेक्नीक
- ☑ छोटा सर्जरी प्रोसेस
- ☑ कम दर्द टांके रहित
- ☑ जल्द वॉकिंग
- ☑ बेहतरीन परिणाम
- ☑ सर्जरी के बाद न्यूनतम देखभाल

डॉ. अरूण परतानी

Senior Consultant
Joint Replacement, Arthroscopic
& Sports Injury Surgeon
C.K, Birla Hospital

For Patient Stories - practo.com/jaipur/arun partani & google/partani clinic

Quality Dental Care

- ☑ *Dental Implants*
- ☑ *Root Canal*
- ☑ *Ceramic or Porcelain Crowns*
- ☑ *Teeth Whitening*
- ☑ *Composite Filings*

And Many More.....

DENTAL IMPLANTS

not only replace your teeth
but improve your confidence
and quality of life!

Dr. Bharti Partani

BDS, MDS
Prosthodontist & Implantologist

PARTANICLINIC

M-21, Mahesh Colony, Tonk Phatak, Jaipur

For Queries 9783788887, 8742067974, 9887302501

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम

राम सौम्य हैं, शालीन हैं, शील और मर्यादा के देवता हैं। वह धर्म में धीर, ध्यान और ध्येय के प्रतीक हैं। उनकी राजनीति में मर्यादा है। वह व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में अनुशासित हैं।

जो स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम हो, उसके बारे में कोई क्या कह सकता है? उस ईश्वरीय शक्ति पर लिखने की शक्ति किसी भी कलम में नहीं है। वह तो सर्वशक्तिमान हैं, अजेय हैं, अद्वितीय हैं। भगवान श्रीराम तो सबके हृदय में बसते हैं, मन मंदिर में उनकी पूजा की जाती है। ऐसे भगवान श्रीराम को बारंबार प्रणाम। मानवातार में भगवान श्रीराम जैसा चरित्र न कभी हुआ है, न होगा। अयोध्या के राजा रामचंद्र का चरित्र पिछली कई सदियों से भारतीय जनमानस, खासकर हिन्दुओं के जीवन मूल्यों का आदर्श है। गोस्वामी तुलसीदास के रामचरित मानस की रचना के बाद राम की छवि एक मर्यादित पुरुष के तौर पर स्थापित हो गई है।

उस पुरुष की छवि, जो अपने व्यक्तिगत, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक जीवन में मूल्यों का पालन करता है। जो अनुशासन में बंधा है और यह कोई कानून का बनाया हुआ अनुशासन नहीं है, यह आंतरिक अनुशासन है। आज जब हिन्दुस्तान में लोगों के व्यक्तिगत, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में मर्यादाओं को तोड़ने की होड़ मची है तो राम के इस मर्यादित रूप की अहमियत और बढ़ गई है।

भगवान राम की कहानी एक मर्यादित, नियंत्रित और वैज्ञानिक अस्तित्व की कहानी है। राम की सबसे बड़ी महिमा उनके उस नाम से मालूम होती है, जिसमें उनको मर्यादा पुरुषोत्तम कहकर पुकारा जाता है। राम मर्यादा पुरुष थे। ऐसा जीवन, उन्होंने जानबूझकर और चेतन रूप से चुना था। आज जब दुनिया भर में हड़पने और विस्तार की महत्वाकांक्षा जोरों पर है, तो राम की मर्यादा को याद करना जरूरी हो जाता है। राम का जीवन बिना हड़पे हुए फैलने की कहानी है। उनका निर्वासन देश को एक शक्ति केन्द्र के अंदर बांधने का मौका था।

राम ने अयोध्या से लंका तक की अपनी यात्रा में कभी अतिक्रमण नहीं किया, दायरे से बाहर नहीं गए। पहली बार उन्हें वानर नरेश बालि के साम्राज्य पर अधिकार करने का मौका मिला था। वे चाहते तो बालि के भाई सुग्रीव का साथ देने के बहाने उसका साम्राज्य हड़प सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। यह एक विशाल हृदय राजकुमार की मर्यादा थी। यह नीतिशास्त्र की मर्यादा थी और राजनीति की भी।

इसलिए मर्यादा पुरुषोत्तम थे राम

राम के मर्यादा पुरुष बनकर उभरने का सबसे शुरुआती प्रसंग उनका बनवास स्वीकारना है। राजा दशरथ कैकयी को वचन दे चुके थे। राम चाहते तो विद्रोह कर सकते थे और गद्दी पर बैठना उनके लिए बेहद आसान था, लेकिन राम ने पारिवारिक संबंधों की मर्यादा को सबसे ऊपर रखा। उन्होंने अपने जीवन में इसके कई उदाहरण पेश किए।

राम के इस मर्यादित रूप की सबसे अच्छी व्याख्या की है महान समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने। लोहिया लिखते हैं कि सीता की अग्निपरीक्षा को राम के जीवन में एक दागदार प्रसंग के तौर पर याद किया जाता है। लोहिया इस प्रसंग की व्याख्या कुछ इस तरह करते हैं-एक धोबी ने कैद में सीता के बारे में शिकायत की और शिकायत गंदी होने के साथ-साथ बेदम भी थी, लेकिन नियम था कि हर शिकायत के पीछे कोई न कोई दु:ख होता है और उसकी उचित दवा या सजा होनी चाहिए। इस मामले में सीता का निर्वासन ही एकमात्र इलाज था। नियम अविवेकपूर्ण था। सजा क्रूर थी और पूरी घटना एक कलंक थी, जिसने राम के जीवन के शेष दिनों को दु:खी बनाया, लेकिन उन्होंने एक नियम का पालन किया, उसे बदला नहीं। वे पूर्ण मर्यादा पुरुष थे। नियम और कानून से बंधे हुए थे और अपने बेदाग जीवन में धब्बा लगने पर भी उसका पालन किया।

राम सौम्य हैं, शालीन हैं, शील और मर्यादा के देवता हैं। वह धर्म में धीर, ध्यान और ध्येय के प्रतीक हैं। उनकी राजनीति में मर्यादा है। वह व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में अनुशासित हैं। राजा होकर भी चौदह साल का वनवास और फिर मर्यादाओं के भीतर रहकर अनुशासित जीवन उनकी जिंदगी से निकलने वाले सबसे अहम सबक हैं। भारतीय जनमानस को खुद को संतुलित रखकर एक ध्येय के साथ राष्ट्र निर्माण करना हो तो प्रेरणा के लिए उसे बाहर देखने की जरूरत नहीं है।

■

RERA No.: RAJ/P/2017/032
Rera Website: www.rera.rajasthan.gov.in

vilasa
DEVELOPING LUXURY

TARUCHAYA
RESIDENCY

Celebrate the festival called life

आज ही गृह प्रवेश करें अपने सपनों के आशियाने में

READY FOR POSSESSION
2 & 3 BHK FLAT

PRICE REVISING FROM 1ST APRIL 2022

फ्लैट प्राइस शुरू मात्र 45 लाख से 75 लाख*

Nirman Nagar Extension, Ajmer Road, Jaipur

World class amenities offers comfort beyond imagination

Elder's Entertainment Lounge

Cricket Net

Gymnasium

Swimming Pool

AC Party Hall

Indoor Games Room

Landscaped Central Courtyard

Kids Play Area

Badminton Court

Table Tennis

Customer Care No.: +91-81078 91460

TARUCHAYA COLONIZERS PVT. LTD.: Corp. Office: 6-F-13, Mahima Triniti, Swage Farm, N.S.Road, Jaipur - 302019 • E: Info@vilasagroup.com • www.vilasagroup.com

Disclaimer: Builders and Developers reserve the right to change any design and specification of the building without any prior notice and information. This advertisement is for illustration purpose only and it cannot be in any way treated as a legal document. All information specifications, plans, material and visual representations contained in the Advertisement, model & sample are subject to change time to time by the developer and/ the company authorities and shall not form part of the offer or contract. TERMS AND CONDITIONS APPLY.

श्रीराम की नैतिक शक्ति

■ रामचन्द्र अग्रवाल

सूर्य कब का अस्त हो चुका था। रात अपना आंचल पसारने लगी थी। आज रावण युद्धभूमि में अपने बेटे मेघनाद को गंवाकर लौटा था और अपने कक्ष में चुपचाप खड़ा था। वह देर तक खड़ा रहा, लेकिन आसन पर बैठा नहीं। उसके खौफनाक चेहरे पर आज विषाद की रेखाएँ थीं। फिर भी ऐसा लगता था कि उसने हार नहीं मानी है। वह मन ही मन कुछ सोच रहा था, भावी युद्ध की योजनायें बना रहा था।

सहसा किसी की पदध्वनि से उसकी विचार-तरंगों में व्यवधान पड़ गया। उसने पीछे की ओर प्रश्नसूचक दृष्टि से देखा। शोक संतप्त सुलोचना कक्ष के द्वार पर खड़ी थी, उसके दोनों नेत्रों से झर-झर आँसू गिर रहे थे। लगता था कि वह कुछ कहना चाहती है लेकिन, शोकातिरेक में बोल नहीं पा रही है। पुत्रवधू के शोक ने रावण को दु:खी कर दिया लेकिन वह विचलित नहीं हुआ। सुलोचना को मूर्तिवत खड़े देखकर उसने पूछा-''क्या बात है बेटी।''

सुलोचना फिर चुप रही। रावण ने सांत्वना भरे शब्दों में कहा-''क्या बात है सुलोचना, तू बोलती क्यों नहीं।''

''जो कुछ आज तक इस मुँह से नहीं निकला, उसे आज कैसे निकालूँ, हिम्मत नहीं होती।''

''घबराओ नहीं, जो भी बात हो साफ-साफ कहो।''

''कहूँ क्या, अब कहने के लिये शेष भी क्या बचा है।'' उसने दोनों हाथों से अपना चेहरा छिपा लिया।

''मैं समझा नहीं सुलोचना।''

''आपने तो कभी भी नहीं समझा, आज भी नहीं समझ रहे हैं, मैं कह रही हूँ कि मैं विधवा हो गयी, अब मेरा यह लोक तो बिगड़ ही गया, वह लोक भी बिगड़ रहा है। क्योंकि मेरे पति का शीश शत्रु के शिविर में पड़ा है। मैं उसे अपनी गोद में लेकर सती भी नहीं हो सकती जिससे वह लोक तो बन जाता।''

एक क्षण के बाद रावण ने कहा-''बेटी तुम इसी समय राम के शिविर में चली जाओ। वे तुम्हें मेघनाद का शीश अवश्य दे देंगे।''

क्या कह रहे हैं आप। सुलोचना ने शोकमिश्रित आश्चर्य से पूछा।

रावण ने अत्यन्त सहज भाव से उत्तर दिया-''मैं ठीक कह रहा हूँ सुलोचना, तुम जाओ तो, वे लोग मेघनाद का शीश तुम्हें दे देंगे।''

अपनी पुत्रवधू को आप शत्रु शिविर में जाने के लिये कह रहे हैं। आप बूढ़े हो गये वे अभी युवा हैं। जब-जब एकान्त में सीता को पाकर आपके मन में पाप समा गया था तो वह अपने शिविर में एकान्त में मुझे पाकर उनके मन में भी तो पाप समा सकता है-वे मेरे साथ दुर्व्यवहार कर सकते हैं, इस पर भी सोचा आपने!

काश ऐसा हो सकता, रावण ने आह भरकर कहा।

सुलोचना ने सिर पीट लिया- मैं कुछ नहीं समझ पा रही हूँ, मेरा सिर चकरा रहा है, समझ में नहीं आता है क्या करूँ, कहां जाऊँ।

सुलोचना को अत्यधिक शोक-विव्हल होते देख, रावण ने शांत भाव से समझाना आरम्भ किया, उसने कहा-बेटी सुलोचना मैंने तुझे राम के शिविर में जाने की सलाह बिना सोचे समझे नहीं दे दी है- बेटी, तू शायद राम की सफलता का रहस्य नहीं जानती, तू राम को जानती ही नहीं-सुलोचना, रावण वनवासी राम से न बाहु-बल में कम है, न सैन्य-बल में, न धन-धान्य में, रावण के पास सेना है, युद्ध सामग्री है, साज-सामान है, जान हथेली पर लेकर लड़ने वाले शूरवीर हैं, वह किसी भी रूप में राम से कमजोर नहीं-बस कमजोर है तो नैतिक बल में, राम ने अपने नैतिक बल के कारण ही तो आज तक हमें परास्त किया है, यदि आज राम में नैतिक बल नहीं होता तो रावण विश्वविजयी होता। यदि राम तेरे साथ दुर्व्यवहार करे तो उनका भी नैतिक बल समाप्त हो जायगा और तब...ह...ह...ह...अरे तब तो यह रावण उन्हें पलक मारते धराशायी कर देगा, उनका नामोनिशान मिटा देगा।

सुलोचना सुनती रही- रावण भाव-विभोर हो कहता जा रहा था-सुलोचना आज मेरी आत्मा बोल रही है- मैंने युद्ध-भूमि के महासत्य का दर्शन कर लिया है, तू याद रखना! राम सब कुछ गंवा देंगे, लेकिन अपना नैतिक बल कभी न खोना चाहेंगे। आज तक रघुवंश ने अपना नैतिक बल कभी नहीं खोया। इसीलिये तुझ से कहता हूँ, तू निर्भय होकर वहां चली जा।

सुलोचना उसी क्षण वहाँ से लौट पड़ी। वह एक-एक कदम बढ़ाती, राम के शिविर की ओर बढ़ती जा रही थी, पांव आगे बढ़ते ही न थे।

राम के शिविर में दीप जल रहे थे। उनकी दृष्टि में किसी महिला की छाया दीवार पर पड़ी। राम ने बिना उसे देखने की चेष्टा किये ही कहा-''लक्ष्मण भइया, देखो तो! बाहर शायद सुलोचना खड़ी है, आज उस अभागिन पर वज्र टूट रहा है मेघनाद का शीश तुरन्त उसे दे दो।''

अब मेघनाद का शीश सुलोचना के आंचल में था। एक बार फिर उसके नेत्र झरने लगे। फिर वह बिना कुछ बोले ही राजमहल की ओर लौट पड़ी।

रात गहरी होती जा रही थी और गहरी होती जा रही थी सुलोचना की मनोव्यथा। लेकिन इसके साथ ही गहरा होता जा रहा था राम की नैतिक शक्ति के प्रति सुलोचना का अगाध विश्वास। ■

सुमिरत जाहि मिटे अज्ञाना,
सोई सर्वज्ञ राम भगवाना।।
(रामचरित्र मानस)

राम नवमी के पावन पर्व
पर हम संकल्प लें कि
राम के आदर्शों को अपने
जीवन में उतारने
का प्रयत्न करें।
उनके द्वारा स्थापित आदर्शों
से परिवार व समाज को
खुशहाल और उन्नत बनायें।

हिन्दू नववर्ष एवं राम नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ !

उमेश सोनी

एम-55, महेश कॉलोनी,
टोंक फाटक, जयपुर
मो. 98290 59157

सबका साथ – समाज का विकास

जड़ी बूटियों के राम

धार्मिक संदर्भ से अलग हटकर देखें तो राम जड़ी बूटियों के बहुत करीब नजर आते हैं।

सहस्त्रपरमा देवी शतमूला शताङ्कुरा।
सर्व हरतु मे पापं दुर्वा दुः स्वप्ननाशिनी॥

या शतेन प्रतनोषि सहस्त्रेण विरोहसि।
तस्यास्ते देवीष्टके विधेम हविषा वयम्॥

भारत में जड़ी-बूटी शब्द का प्रयोग आयुर्वेदिक औषधियों के तत्वों के रूप में किया जाता है, इसी कारण हर्ब अर्थात् जड़ी-बूटी शब्द का उपयोग खाने के पदार्थों के लिए आमतौर पर नहीं किया जाता। हर्ब शब्द का अर्थ वे पदार्थ हैं जो वनस्पतियों अर्थात् वृक्षों और घास से प्राप्त होते हैं, इनमें सबसे महत्वपूर्ण तत्व स्वयं दूब-घास ही है। महानारायण उपनिषद में इस दूब-घास की स्तुति की गई है और उससे कहा गया है कि जिस प्रकार तुम्हारी एक शाखा से अनेक शाखाएं उत्पन्न होती हैं, उसी प्रकार हमारा वंश भी वृद्धि करे। स्वयं वंश शब्द बांस से लिया गया है और बांस में जिस प्रकार गांठे होती हैं उसी प्रकार वंश की वृद्धि की कल्पना की गई है। चीन में कच्चे बांस को खाद्य पदार्थ, अर्थात् सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है और उसका साग बड़े चाव से खाया जाता है।

प्राचीन संदर्भों के मुताबिक रघु वंश के प्रवर्तक ही प्रथम थे जिन्होंने हर्ब का प्रयोग एवं उन पर अनुसंधान किया। इस वंश के राजा इक्ष्वाकु ने ईख की खोज की एवं गायों का पालन किया। उस वंश में पूरी तरह हर्ब्स पर जीने वाले प्रथम राजकुमार राम थे, जिन्हें उनकी विमाता के कहने पर उनके पिता ने 14 वर्ष का वनवास दिया था। रामचरित मानस में कहा गया है कि राम 14 वर्ष तक फल-फूल खाकर ही वन में रहे। जिस समय निषादराज गुह को यह समाचार मिला कि राम वन में आए हैं तब आनंदित होकर उसने अपने प्रियजनों और भाई-बंधुओं को बुला लिया और राम को भेंट देने के लिए फल, मूल (कंद) लेकर उन्हें बांस से बनी टोकरियों और बर्हगियों में भरकर राम को भेंट देने के लिए चल दिए उस समय उसके हृदय में हर्ष का पारावार नहीं था- 'लिए फल मूल भेंट भरि भारा। मिलन चलेऊ हियं हर्ष अपारा॥' उसने लेटकर प्रणाम किया और राम ने अपने निकट बैठाकर उसकी कुशलक्षेम पूछी, उसने राम से कहा कि आप मेरे घर चलिए और मेरी प्रतिष्ठा बढ़ाइए। परंतु राम ने उससे कहा पिता का आदेश है कि 14 वर्ष तक मैं वन में मुनि के वेश में रहूं और वैसा ही आहार करूं एवं गांव में नहीं जाऊं, ऐसी स्थिति में मैं तुम्हारे घर नहीं चल सकता। यह सुनकर गुह को बहुत दुख हुआ। लेकिन उनके द्वारा भेंट स्वरूप लाए गए मूल, फल को उस दिन सीताजी, सुमंत्र एवं भाई लक्ष्मण के साथ राम ने भी खाया। 'अध्यात्म रामायण' में कहा गया है कि राम उस दिन निराहार रहे। ऐसे ही भारद्वाज मुनि के आश्रम में जाने पर उनका स्वागत कंद, मूल, फल के साथ 'नीके अंकुर' अर्थात् श्रेष्ठ अंकुर के साथ किया गया। यहाँ नीके अंकुर का प्रयोग चुने हुए हर्ब के लिए किया गया है। अगले दिन सवेरे नहाकर राम ने भाई लक्ष्मण के साथ कंद, मूल, फल खाकर वाल्मीकि के आश्रम के लिए प्रस्थान किया। यहां भी मुनि वाल्मीकि ने उनको अपना प्राणप्रिय माना एवं उनके लिए कंद, मूल और मधुर फल मंगवाए जिन्हें राम, लक्ष्मण व सीता ने प्रेमपूर्वक खाया। वहां से राम चित्रकूट पहुंचे। कोल-किरातों को जब यह समाचार मिला तब वे दोने में 'कंद मूल फल' भरकर राम की अगुवानी करने के लिए चल पड़े और उनके सामने भेंट के रूप में वे दोने रख दिए। वहां एक ऐसी घटना हुई जिसका वर्णन तुलसीदास जी ने बहुत मगन होकर किया है। वे कहते हैं कि, 'जब तें आइ रहे रघुनायकु। तब तें भयउ बनु मंगल दायकु।। फूलहिं फलहिं बिटप बिधि नाना। मंजु बलित बर बेलि बिताना।। जब से राम वन में आकर रहे तब से वन मंगलदायक हो गए और वहां अनेक प्रकार के वृक्ष फलने और फूलने लगे एवं उन पर लिपटी हुई सुंदर बेलों के मंडप राम के बैठने के लिए तन गए थे।

चित्रकूट का वर्णन करते हुए तुलसीदासजी लिखते हैं कि वहां के आदिवासी लोग पवित्र शहद ले आते थे जो सुंदर और अमृत के समान होता था। इसके अलावा वे दोनों में ही कंद, मूल, फल, अंकुर एवं अन्य जड़ी-बूटी भी ले आते थे। यहां जड़ी-बूटी का उल्लेख 'जूरी' के रूप में हुआ है। अरण्य कांड में राम सीता को अपनी रावण द्वारा हरी गई पत्नी को ढूंढते हुए भिलनी शबरी की कुटी में पहुंच जाते हैं। वहां शबरी उनका स्वागत करती है एवं जिस जड़ी-बूटी पर वह निर्वाह करती है, वही उन्हें भेंट में देती तथा खिलाती है और राम भी उसे प्रेमपूर्वक खाते हैं। जातपात का भेद छोड़कर जिस समय वह राम के चरणों से लिपटी और उसने चख-चखकर राम और लक्ष्मण को बेर दिए तब राम ने तो बेरों को आँखों में पानी भरकर खाया, परंतु लक्ष्मण ने वे बेर घृणापूर्वक आंख बचाकर पहाड़ पर फेंक दिए। यही वे बेर थे, जो जड़ी-बूटी के रूप में उगे और जिन्हें वैद्यराज सुषेन के कहने पर संजीवनी के रूप में लक्ष्मण को दिया गया और लक्ष्मण अपनी मूर्छा से युद्धक्षेत्र में जीवित हो उठे। रामचरित मानस में उल्लेख आया है कि राम जब सुग्रीव के यहां पहुंचे तब वहां बाली को मारकर कुछ दिन उस पर्वत पर रहे जिस पर सुग्रीव रहता था और वहां सुंदर बन कुसुमित अति सोभा। गुंजत मधुप निकर मधु लोभा।। कंद मूल फल पत्र सुहाए। भए बहुत जब ते प्रभु आए।।- यहां पत्र का भी हवाला दिया गया है, अर्थात् जिन जड़ी-बूटियों का राम ने सेवन किया उनमें पत्ते भी थे।

विदेशों में भी श्रीराम उतने ही प्रिय रहे, जितने हमारे यहाँ पूजनीय

पंद्रहवीं सदी में थाईलैंड की राजधानी अयुत्थया थी, जो थाई भाषा में अयोध्या के लिए इस्तेमाल किया गया शब्द है। 18वीं सदी में बर्मी सैनिकों ने इस शहर पर कब्जा किया और एक नए राजा यहाँ राज करने लगे। उन्होंने खुद को 'राम प्रथम' घोषित किया और उस शहर की स्थापना की जो अब बैंकॉक कहलाता है। रामायण का थाई रूप 'रामकिएन' उन्होंने ही लिखा और उसे राष्ट्रीय महाकाव्य भी उन्होंने ही बनाया। उन्होंने शाही परिवार द्वारा संरक्षित 'टेम्पल ऑफ द एमरल्ड बुद्ध' की दीवारों पर इस महाकाव्य को भित्ति-चित्रों के रूप में चित्रित किया। हालांकि वे बौद्ध थे, लेकिन पौराणिक राम के साथ अपनी पहचान बनाकर उन्होंने अपनी शाही साख स्थापित की।

उन दिनों बौद्ध और हिंदू धर्म के बीच कोई भेद नहीं करता था। राम दक्षिण पूर्व एशिया के बौद्धों के लिए उतने ही प्रिय थे, जितना कि वे दक्षिण एशिया के हिंदुओं के लिए थे। जल्द ही वे दक्षिण पूर्व एशिया के राजाओं के लिए आदर्श बन गए। 11वीं सदी में बर्मा में मोन भाषा में लिखे एक पत्थर के शिलालेख से पता चलता है कि बगान राजवंश के राजा क्यानजित्था ने घोषणा की थी कि वे अपने पिछले जन्म में राम के निकटतम संबंधी थे।

अंगकोर वाट, जो 12वीं सदी में कंबोडिया में बनाया गया, के जिस गलियारे में शाही जुलूस का चित्रण है, उसके बगल के गलियारे में रामायण के खमेर संस्करण 'रामाकेर' की नक्काशी पाई जाती है। नोमपेन्ह में शाही महल परिसर की दीवारों पर भी रामायण पर आधारित भित्ति-चित्र मिले हैं। एक कहानी विशेष तौर पर हमारा ध्यान आकर्षित करती है। इसमें हनुमान एक टूटे हुए पुल के किनारे से लेकर लंका के तट तक खुद को तानते हैं ताकि राम अपने रथ पर सवार होकर अपनी भव्य वानर सेना के साथ आसानी से समुद्र पार कर सकें।

कंबोडिया के राजा भी आज थेरवाद बौद्धधर्मीय हैं। लेकिन सदियों पहले वे महायान बौद्धधर्मीय थे और उससे भी पहले वे हिंदूधर्मीय थे। ओडिया और तमिल समुद्री व्यापारी भारत में जन्मे इस धर्म को दक्षिण-पूर्व एशिया तक ले गए। सामान के आदान-प्रदान के साथ-साथ उन्होंने अपनी कहानियाँ भी साझा कीं। रात में जहाजों को तेल के दीयों से रोशन कर कहानीकार छाया कठपुतली की कला बनाने को प्रेरित हुए। इसलिए छाया कठपुतली का खेल कोरोमंडल समुद्री तटों और अधिकांशत: दक्षिण पूर्व एशिया में पनपा, उदाहरणार्थ ओडिशा में रावण-छाया और इंडोनेशिया में वायांग के रूप में।

लगभग 1,000 साल पहले जब भारत में बौद्ध धर्म का प्रचलन कम हुआ और हिंदू व्यापारियों की समुद्री यात्राएँ वर्जित हो गईं, इस डर से कि उन यात्राओं से वे अपनी मूल जाति खो देंगे, यह सीधा आदान-प्रदान भी रुक गया। यह व्यापार अब अरबी लोगों के हाथ चला गया, जो इस्लाम को दक्षिण-पूर्व एशिया ले गए। हम यह यकीन से इसलिए कह सकते हैं क्योंकि वहाँ पाई जाने वाली रामायण में वो भक्ति रस नहीं है, जो भारतीय रामायण का अभिन्न अंग है।

जावा की 'काकविन रामायण' का पहला भाग वाल्मीकि रामायण जैसा है, जबकि दूसरा भाग उससे अलग है। दूसरा भाग अधिक लोकप्रिय इसलिए है क्योंकि वह स्थानीय हास्यप्रद नायक 'कुरूप', संरक्षक देवता 'सेमर' और उनके तीन विचित्र बेटों के कारनामों की बात करता है। मलेशियाई 'हिकायत सेरी रामा' निर्णायक लक्ष्मण को अधिक महत्व देता है। वह रावण के प्रति अधिक सहानुभूतिशील है। ये स्थानीय नवाचार भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच सांस्कृतिक संबंधों के लंबे समय से टूटने का प्रमाण हैं, जिसमें सुधार लाने का वर्तमान भारतीय सरकार ने निश्चय कर रखा है।

मुगलकाल में भी वंदनीय रहे भगवान श्रीराम

400 साल पहले तीर्थ यात्रियों को अयोध्या जाने पर मिलता था रामदरबार का सिक्का

देश में उज्जैन के महिदपुर में हैं ऐसे सबसे ज्यादा 40 दुर्लभ सिक्के

अयोध्या में 5 अगस्त को राम मंदिर निर्माण का नींव पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हो गया। अनेक रामभक्त इस उत्सव के साक्षी बने। मध्य प्रदेश के उज्जैन में भी भगवान श्रीराम से जुड़ी किवदंतियां मिलती हैं। सैकड़ों वर्ष पहले भी उज्जैन सहित मालवा के लोग तीर्थ यात्रा के रूप में अयोध्या जाया करते थे। तब अयोध्या से यह लोग राम दरबार के सिक्के लेकर आते थे। खास बात यह है कि पूरे देश में उज्जैन के महिदपुर में ऐसे 40 से अधिक सिक्कों का सबसे अधिक संग्रहण है। भगवान श्रीराम के यश और आदर्शों का प्रभाव इतना अधिक था कि मुगल शासक अकबर ने भी 16-17वीं शताब्दी के बीच श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए सिक्के जारी किए थे। महिदपुर के अश्विनी शोध संस्थान में इन दुर्लभ सिक्कों का संग्रहण है। 80 साल पुराने संस्थान के निदेशक एवं जाने-माने मुद्राशास्त्री डॉ. आरसी ठाकुर ने बताया कि 16वीं शताब्दी के यह सिक्के उन्हें उनके पिता पर्वत सिंह ठाकुर से प्राप्त हुए थे। पर्वत सिंह ठाकुर भी सिक्कों का संग्रहण करने का शौक रखते थे। डॉ. ठाकुर ने बताया चांदी और पीतल के ऐसे 40 से अधिक सिक्के उनके पास हैं, जिन पर संवत् 1740 अंकित है। इन सिक्कों के एक भाग पर राम दरबार का दृश्य अंकित है, जो रामराज्य के राजसी वैभव और समृद्धता को दर्शाता है। वहीं सिक्के के पीछे की ओर भगवान राम और लक्ष्मण के चित्र के साथ संवत् 1740 अंकित है। उज्जैन के गढ़कालिका, अंकपात मार्ग, महिदपुर आदि क्षेत्रों में खुदाई के दौरान यह सिक्के प्राप्त हुए हैं।

मुद्राशास्त्री डॉ. ठाकुर ने बताया पाकिस्तानी पुराविद् प्रो. नसीम खान ने कुशाण कालीन पेशावर क्षेत्र का उत्खनन किया था। उत्खनन के दौरान उन्हें आयताकार एक स्वर्ण मुद्रिका (गोल्ड सील) मिली थी। इस पर ब्राह्मी लिपि में श्री सीताराम लेख उल्टे अक्षरों में उकेरा हुआ है। लिपि की बनावट के आधार पर यह मुद्रिका दूसरी-तीसरी ईसा की मानी गई है।

एक ही प्रतिमा में श्री राम की बहन शांता और जीजा श्रृंग ऋषि के चेहरे

अयोध्या में पाँच अगस्त को राम मंदिर का भूमिपूजन हो गया। इधर हिमाचल के बंजार गांव में विशेष उत्साह रहा। यहाँ एक मात्र स्थान है, जहाँ राम की बहन शांता का मंदिर है। एक प्रतिमा में उनके पति श्रृंग ऋषि और शांता के चेहरे हैं। मंदिर कुल्लू से 50 किमी दूर है। रक्षा बंधन पर बहनें यहाँ भाइयों की लंबी आयु का आशीर्वाद लेने आती हैं। श्रृंग ऋषि मंदिर के पुजारी जितेंदर शर्मा ने बताया कि 5 अगस्त को मंदिर में दीप यज्ञ और विशेष पूजन किया गया था।

दक्षिण की रामायण में उल्लेख

- दक्षिण की रामायण में भगवान राम की बहन का उल्लेख है, जिनका नाम शांता था। वे चारों भाइयों से बड़ी थीं। शांता राजा दशरथ और कौशल्या की बेटी थीं।
- मान्यता है कि दशरथ ने शांता को राजा रोमपद को सौंप दिया था, जिनकी पत्नी वर्षिणी कौशल्या की बहन थीं। शांता व श्रृंग की पूजा से राम की कृपा मिलती है।
- श्रृंग ने दशरथ के लिए पुत्र कामेष्ठि यज्ञ किया, जिसके बाद राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न जन्मे। कुल्लू के पास बशिर गांव में अयोध्या के लोग बसे हैं। इन्हें जोधा (अयोध्या) वासी कहा जाता है।

प्रतिमा में ऊपर श्रृंग ऋषि और नीचे शांता देवी का चेहरा है।

आदौ राम तपोवनादि गमनं, हत्वा मृगं कांचनम्।
वैदीहीहरणं जटायुमरणं, सुग्रीवसंभाषणम्॥
बालीनिर्दलनं समुद्रतरणं, लंकापुरीदाहनम्।
पश्चाद् रावण कुम्भकर्ण हननम्, एतद्धि रामायणम्॥

चैत्र नवरात्रा एवं **राम-नवमी** की
हार्दिक शुभकामनाएँ।

शुभेच्छु :-

ज्योति तोतला

M.A (पॉलिटिकल साइंस)

9414844444

- भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, जयपुर - **कोषाध्यक्ष**
- शंकरा आई हॉस्पिटल, 'विशाखा' समिति -**चेयरपर्सन**
- श्री माहेश्वरी महिला परिषद्, जयपुर - **उपाध्यक्ष**
- जयपुर ज़िला माहेश्वरी महिला संगठन - **पूर्व सचिव**
- वनबंधु परिषद्, जयपुर - **एग्ज़ीक्यूटिव कमेटी मेंबर**
- वनबंधु परिषद्, जयपुर (महिला समिति) - **मीडिया प्रभारी, पूर्व जॉइंट सेक्रेटरी, पूर्व कोषाध्यक्ष**
- कल्चरल सोसायटी ऑफ़ राजस्थान - **उपाध्यक्ष**
- वसुंधरा लेडीज़ क्लब, जयपुर - **उपाध्यक्ष**
- 'उत्सव' जनोपयोगी भवन, 'प्रबंध समिति' - **मेंबर**

श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर

प्यार,सद्भावना, स्नेह, दुलार,
सम्पन्नता, मोहब्बत और सदाचार,
इन सातों रंगों की आपके
जीवन में हो बौछार,
यह होली आपके जीवन
में लाये सतरंगी बहार।
होली की हार्दिक शुभकामनाएँ।

अभिषेक मालपानी (हरमाड़ा)

कार्यकारिणी सदस्य (2019-22)

ख-116, भवानी नगर, मुरलीपुरा, जयपुर-(मों न. 8766111634)

Archit Maheshwari
PHOTOGRAPHY

Contact For

Wedding , Pre Wedding , Fashion , Maternity Shoot
Corporate , Birthday Parties & All Kind of Photography

Get Special Offers

E-mail Id
architmaheshwari8100@gmail.com

Contact no. 7357900535

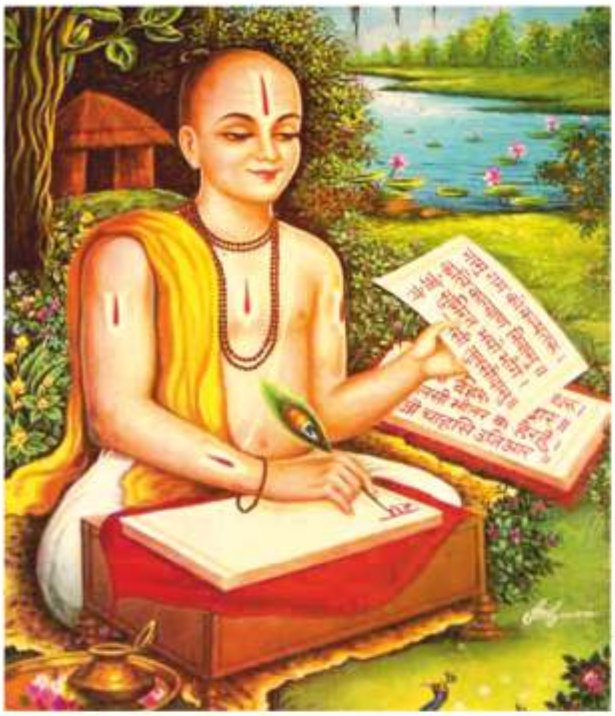

श्री रामनवमी पर विशेष

गोस्वामी तुलसीदास के राम

– जयकिशन पटवारी

श्री राम का जीवंत चरित्र महात्मा गोस्वामी तुलसीदास जी ने 'मानस' में वर्णन किया है। मानस को उन्होंने एक 'सरोवर' की संज्ञा दी है तथा इस सरोवर के चार किनारे चार घाट (ज्ञान घाट, भक्ति घाट, कर्मकाण्ड घाट व भाषा की अद्भुत रचना का घाट।) अलग-अलग विशेषताओं वाले बताये हैं। विभिन्न संवादों के माध्यम से गूढ़ व हितोपदेश की बातें, उपमाएं देते हुये, ज्ञान भक्ति व समर्पण का सहारा लेते हुये चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति का मार्ग इस महाकाव्य में बताया गया है।

मानस की भाषा की गूढ़ रचना में बहुत सी बातें लगती हैं कि विरोधाभासी हैं। परन्तु, यदि ध्यान से देखा जाये तो वे एक-सी ही लगती हैं।

आइये, कुछ ''विस्मयकारी-सत्य'' बातों पर विचार करते हैं:-

(1) कुमति सुमति सबके उर रह ही

(2) कर्म प्रधान विस्व करि राखा

(3) जैसी हो भवितव्यता वैसी मिले सहाय, आप वहाँ आवे नहीं ताहि तहां ले जाय।

(4) ज्ञानी-मूढ़ न कोई, जेहि जस रघुपति करिहि, जब सो ते हि क्षण होई।

(5) होइई सोई जो राम रचि राखा।

(6) मम पन सरनागत भय हारि।

इसके अलावा अन्य और भी दोहे चौपाई हैं जो उपरोक्त से मिलते-जुलते हैं।

क्रमवार **सर्वप्रथम** हम बात करते हैं व्यक्ति के विवेक की। हमको कुमति व सुमति दोनों प्रकार की बुद्धि प्राप्त है। कुमति वह- जिस कार्य के करने से या जिस विचारधारा से अन्य किसी का अहित हो तथा, सुमति वह बुद्धि या विचारधारा (मन के भाव) जिसमें हम स्वयं के स्वार्थ का काम करें परन्तु अन्य किसी का भी अहित न हो। जिस बात से जड़-चेतन किसी का भी अहित या अनिष्ट हो वह सुमति नहीं हो सकती।

अत: ये दोनों प्रकार के भाव कार्य करते समय विचाराधीन रखना आवश्यक है।

द्वितीय- प्रत्येक जीव को कर्म करना ही पड़ता है। सम्पूर्ण विश्व कर्म प्रधान बनाया गया है। भोजन भी मुँह में डालना पड़ेगा, चबाना भी पड़ेगा तथा अन्य अंगों को भी काम करना पड़ेगा। जाग्रत अवस्था हो अथवा सुषुप्त, कर्म बाह्य अंग करें या आन्तिरिक, कर्म तो सतत है। अत: कर्म की प्रधानता है।

तृतीय- होनहार होती है अर्थात् जो आपका प्रारब्ध है वह आप को होनहार के रूप में प्राप्त होता है और उसका फल भोगना ही पड़ता है। होनहार (भावी) इतनी प्रबल है कि व्यक्ति को वहाँ घटना स्थल पर ले जाती है व घटना घट जाती है।

चतुर्थ- इस जगत में न कोई ज्ञानी है, न कोई ना समझ है। श्री राम जी ही सब कुछ करने वाले हैं, वे जो चाहते हैं वही हो जाता है, व्यक्ति कितना भी ज्ञानी हो, ना समझ हो, उसका सोचा विचारा नहीं चलता है।

पंचम्- होइई सोई जो राम रचिराखा अर्थात् सब कुछ घटनाएं पहले से निश्चित हैं। (यह तृतीय से मिलता-जुलता वाक्य है परन्तु प्रथम व दूसरे की काट करता है)

षष्ठम्- सुन्दर काण्ड की इस चौपाई में भगवान की विशेषता बताई गई है कि ''मेरा प्रण है कि जो मेरी शरण में आ गया, उसके सम्पूर्ण भय को मैं दूर करता हूँ तथा शरणागत की रक्षा करता हूँ।

उपरोक्त को पुन: देखते हैं- ''हम अपनी सुमति-कुमति के अनुसार सोच-समझकर- पूर्ण दक्षता से कार्य कर लेवें तो भी जो होनहार है वह होकर ही रहेगी क्योंकि राम जी ने आपके प्रारब्ध के अनुसार आपका भाग्य निर्धारण किया हुआ है, आप कितने ही बुद्धिमान हों अथवा ना समझ जो राम जी चाहेंगे वही होगा। यदि आप श्री राम जी की शरण में चले जाते हैं तो आपको किसी भी प्रकार से डरने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि वे अपने प्रण के अनुसार शरणागत की रक्षा करते हैं, भय समाप्त करते हैं जिससे आनन्द की प्राप्ति होती है।''

यहाँ कितना विरोधाभास प्रतीत होता है- कर्म को विवेकानुसार सुमति से सम्पन्न करो-फिर भी आपके हाथ कुछ नहीं है। कितना ही जोड़-तोड़ कर लो जो होनहार है वही होगा अर्थात् क्या सोचकर कर्म करा था व क्या फल मिलेगा कुछ पता नहीं- सब कुछ अन्धकार में है। एक बात की गारन्टी है कि ''शरणागति'' का भाव यदि मन में बनाया तो आपके समस्त कष्ट समाप्त हो ही जावेंगे।'' (कर्म की आवश्यकता ही नहीं रही, सिर्फ शरणागत होना ही काफी है)।

यह विरोधाभास प्रतीत होता है, परन्तु वास्तव में विरोधाभास है ही नहीं।

कर्म तो आपको आवश्यक रूप से करना ही है तथा किसी का अहित न हो यह ध्यान रखना है, मन में यह निश्चय रखना है कि मैंने जो कार्य किया है उसका उचित फल मिलेगा। यदि सन्तुष्टि नहीं होती है तो सन्तुष्टि होने तक परिष्कृत रूप से कर्म करते ही रहना है और यही सोच जीवन में आनन्द प्राप्त करने में सहायक होती है।

शरणागत होना एक आध्यात्मिक भाव है जो कि तन व मन दोनों को आध्यात्मिक नियमानुसार चलने से सहज ही प्राप्त होती है। शरणागति के लिये प्रार्थना में विशेषतया वे ही सफल होते हैं जो धर्म की राह पर चलते हैं। धर्म एक ही है- ''परहित-सरिस धर्म नहीं भाई'' अर्थात् पहले अन्य का हित देखो, अन्य के हित का विचार करो, बाद में स्वयं का कार्य करो- आशातीत सफलता प्राप्त होगी। इस सूत्र के पालन से आवश्यक पात्रता व पवित्रता जाग्रत हो जाती है।

''धर्म में विश्वास रखना तथा शुभ कर्म करना'' इसका फल अकथनीय है, तत्काल फल मिलता है और प्रभाव प्रत्येक है।

1/1/6 मानस:

बटुविस्वास अचल निजधरमा, तीरथ राज समाज सुकरमा।
सबहि सुलभ सब दिन सब देसा, सेवत सादर समन कलेसा।।

अर्थात् (उस संत समाज रूपी प्रयाग में) अपने धर्म में जो अटल विश्वास है वह अक्षय वट है और शुभ कर्म ही उस तीर्थराज का समाज (परिकर) है। वह (संत समाज रूपी प्रयागराज) सब देशों में, सब समय, सभी को सहज ही में प्राप्त हो सकता है और आदरपूर्वक सेवन करने से क्लेशों को नष्ट करने वाला है।

1/1/7(मा.)

अकथ अलौकिक तीरथराऊ, देइ सद्य फल प्रकट प्रभाऊ।

अर्थात्- वह तीर्थ राज अलौकिक और अकथनीय है एवं तत्काल फल देने वाला है, उसका प्रभाव प्रत्यक्ष है। ■

वनवास में 200 से ज्यादा स्थानों पर रुके थे श्रीराम, 17 जगहों पर बनेगा कॉरिडोर

इतिहासकारों ने 200 से ज्यादा स्थानों का पता लगाया है जहाँ राम, सीता और लक्ष्मण वनवास के दौरान रुके थे। केंद्र सरकार ने ऐसे 17 बड़े स्मारकों की पहचान की है, जिसे कॉरिडोर के रूप में विकसित किए जाने की योजना है। राम वन गमन पथ योजना इस तरह है...

1 तमसा नदी : अयोध्या से 20 किमी दूर है तमसा नदी। यहाँ पर राम ने नाव से नदी पार की।

2 श्रृंगवेरपुर तीर्थ: प्रयागराज से - 20-22 किमी दूर इस स्थल पर उन्होंने केवट से गंगा पार कराने को कहा था। वर्तमान में इसे सिंगरौर कहा जाता है।

3 कुरई: सिंगरौर में गंगा पार कर भगवान श्रीराम कुरई में रुके।

4 प्रयाग: कुरई से श्रीराम प्रयाग पहुँचे थे।

5 चित्रकूट: इसके बाद श्रीराम चित्रकूट पहुँचे जहाँ राम को अयोध्या ले जाने, के लिए भरत आए थे।

6 सतना: यहाँ अत्रि ऋषि का आश्रम था।

7 दंडकारण्य: चित्रकूट से निकलकर भगवान श्रीराम दंडकारण्य पहुँचे। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा और आंध्र-प्रदेश के कुछ क्षेत्रों को मिलाकर दंडकारण्य था।

8 पंचवटी नासिक : दण्ड-कारण्य में रहने के बाद राम अगस्त्य मुनि के आश्रम गए। यह आश्रम नासिक के पंचवटी क्षेत्र में है जो गोदावरी नदी के किनारे बसा है। यहीं पर शूर्पणखा की नाक काटी थी।

9 सर्वतीर्थ : नासिक क्षेत्र में ही रावण ने सीता का हरण और जटायु का वध किया था।

10 पर्णशाला: पर्णशाला आंध्रप्रदेश में खम्मम जिले के भद्राचलम में स्थित है। रामालय से लगभग 1 घंटे की दूरी पर स्थित पर्णशाला को पनसाला भी कहते हैं।

11 तुंगभद्रा : तुंगभद्रा एवं कावेरी नदी क्षेत्रों के अनेक स्थलों पर भगवान राम, सीताजी की खोज में गए थे।

12 शबरी का आश्रम : रास्ते में वे पम्पा नदी के पास शबरी आश्रम भी गए, जो कर्नाटक में स्थित है।

13 ऋष्यमूक पर्वत : मलय पर्वत और चंदन वनों को पार करते हुए वे ऋष्यमूक पर्वत की ओर बढ़े। यहाँ हनुमान और सुग्रीव से भेंट व बाली का वध किया।

14 कोडीकरई : यहाँ राम की वानर सेना ने पड़ाव डाला और रामेश्वरम की ओर कूच किया।

15 रामेश्वरम : राम ने लंका पर चढ़ाई करने के पहले यहाँ भगवान शिव की पूजा की थी। रामेश्वरम का शिवलिंग श्रीराम द्वारा स्थापित शिवलिंग है।

16 धनुषकोडी से रामसेतु : श्रीराम रामेश्वरम के आगे धनुषकोडी पहुँचे। यहीं से उन्होंने रामसेतु बनाया। रामसेतु को अंग्रेजी में एडम्स ब्रिज भी कहते हैं।

17 नुवारा एलिया पर्वत : श्रीराम रामसेतु बनाकर श्रीलंका पहुँचे। श्रीलंका में इस पर्वत पर ही रावण फॉल, रावण गुफाएँ, अशोक वाटिका, विभीषण महल आदि हैं।

रावण वध के बाद श्रीराम की अयोध्या वापसी किस तरह से हुई, इतिहास में इसके पुष्पक विमान समेत कई उल्लेख हैं।

श्रीराम कथा दर्शन

राजा दशरथ ने संतान की कामना से पुत्र कामेष्टि यज्ञ करवाया था। इस अवसर पर अग्निदेव प्रकट हुए और उन्होंने खीर का पात्र दिया था।

पुत्र कामेष्टि यज्ञ के बाद कौशल्या ने श्रीराम, कैकयी ने भरत-शत्रुघ्न और सुमित्रा ने लक्ष्मण को जन्म दिया था।

ऋषि विश्वामित्र श्रीराम और लक्ष्मण को लेकर वन में गए। वहां उन्होंने ताड़का का वध किया। अहिल्या का उद्धार किया।

विश्वामित्र दोनों राजकुमारों को लेकर जनकपुरी पहुंचे। वहां श्रीराम ने सीता स्वयंवर में धनुष तोड़ा। इसके बाद श्रीराम-सीता का विवाह हुआ।

वनवास की शुरुआत में नाव से श्रीराम-लक्ष्मण सीता ने गंगा नदी पार की थी।

चित्रकूट में हुआ था श्रीराम भरत मिलाप। भरत श्रीराम को वापस अयोध्या ले जाने आए थे। लेकिन, श्रीराम ने मना कर दिया।

'सर्वधर्म मोक्षधाम चांदपोल' के जीर्णोद्धार हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने पर आभार...

उपरोक्त प्रकल्प के लिए दानदाताओं से प्राप्त राशि का विवरण मासिक पत्रिका के सितम्बर से दिसम्बर, 2021 एवं जनवरी व फरवरी, 2022 के अंक में प्रकाशित किया गया था। इसके बाद निम्न दानदाताओं से आर्थिक सहयोग और प्राप्त हुआ है जिसके लिए अंतर्मन से हार्दिक आभार एवं अभिनंदन...

नाम	राशि
श्री राधाकृष्ण जी कोगटा	5,00,000
श्री बिट्ठलदास जी, हरिनारायण जी परवाल	1,00,000
श्री पूरणमल जी, विमलादेवी सोमानी	1,00,000

संशोधन : पत्रिका के दिसम्बर, 2021 के अंक में श्री दिनेश कुमार जी सोढ़ाणी 1,00,000/– की जगह श्री दिनेश कुमार जी बल्लभदास जी सोढाणी (सूरत), जयपुर राशि 1,00,111/– रुपये पढ़ें।

आपके द्वारा दी गई सहयोग राशि आयकर अधिनियम की धारा 80 जी में छूट के लिए मान्य होगी।

उपरोक्त योजना की लागत लगभग 2.50 करोड़ रूपये होगी अतः इस पुनीत कार्य में अधिक से अधिक सहयोग राशि देकर भागीदार बनें।

प्रमोद हुरकट (चेयरमैन अर्थ)
मो. नं. 9413841762

पाठक पाती

सकारात्मक सोच के साथ प्रतिमाह एक नए विषय पर केन्द्रित और जीवन के हर पहलू को लेकर संजोई सामग्री से सजी "जयपुर माहेश्वरी पत्रिका" ने सामाजिक पत्रिका जगत में एक नई शुरुआत की है। हमारे समाज को ऐसी ही पत्रिका की आवश्यकता है।

यह कम अचरज का विषय नहीं है कि श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर ने समाज के पाठकों की प्यास को इतनी गंभीरता से पहचाना और विभिन्न विषयों को छुआ। साधुवाद। पत्रिका हाथ में लेते ही खूबसूरत लगती है। उम्मीद है आने वाले अंकों में भी यह विशेषता बरकरार रहेगी, इसी आशा के साथ।

रामावतार साबू एवं
श्रीमती विमला साबू, सूरत
पूर्व अध्यक्ष, अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन

आमंत्रण

'कौटिल्य' ऑडिटोरियम, कालवाड़ का लोकार्पण 27 मार्च को

कालवाड़ रोड़ स्थित एमपीएस स्कूल परिसर में नवनिर्मित कौटिल्य ऑडिटोरियम का लोकार्पण 27 मार्च को प्रातः 11 बजे होगा। यहाँ पहुंचने के लिए बसें 27 मार्च को प्रातः 10 बजे तिलक नगर एमएचएस एवं एमजीपीएस, विद्याधर नगर से रवाना होंगी।

कृपया लोकार्पण के पश्चात् लंच अवश्य ग्रहण करें।

विशेष जानकारी हेतु संपर्क करें– • **श्री अशोक फलोड़**, सचिव, एमएचएस, तिलक नगर, मो. 9829013321 • **श्री मुरारी लाल बिड़ला**, सचिव, एमजीपीएस, विद्याधर नगर, मो. 98290-54202

फार्म–IV (नियम–8 देखिये)

माहेश्वरी पत्रिका जयपुर

1.	प्रकाशन स्थान	: जयपुर
2.	प्रकाशन अवधि	: मासिक
3.	मुद्रक का नाम	: गोपाल लाल मालपानी
	राष्ट्रीयता	
	(क) क्या आप भारत के नागरिक है?	: हाँ
	(ख) यदि विदेशी हैं तो मूल देश	: लागू नहीं
	पता	: श्री माहेश्वरी समाज, तृतीय तल, एम.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल, भाभा मार्ग, तिलक नगर, जयपुर
4.	प्रकाशन का नाम	: गोपाल लाल मालपानी
	राष्ट्रीयता	
	(क) क्या आप भारत के नागरिक है?	: हाँ
	(ख) यदि विदेशी हैं तो मूल देश	: लागू नहीं
	पता	: श्री माहेश्वरी समाज, तृतीय तल, एम.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल, भाभा मार्ग, तिलक नगर, जयपुर
5.	सम्पादक का नाम	: रामदास कोत्यारी
	राष्ट्रीयता	
	(क) क्या आप भारत के नागरिक है?	: हाँ
	(ख) यदि विदेशी हैं तो मूल देश	: लागू नहीं
	पता	: श्री माहेश्वरी समाज, तृतीय तल, एम.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल, भाभा मार्ग, तिलक नगर, जयपुर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार–पत्र के स्वामी है तथा समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हैं	: श्री माहेश्वरी समाज, तृतीय तल, एम.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल, भाभा मार्ग, तिलक नगर, जयपुर

मैं गोपाल लाल मालपानी एतद्द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।

दिनांक 15.03.2022

हस्ताक्षर
गोपाल लाल मालपानी
प्रकाशक

।। श्री गणेशाय नमः।।

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के विवाह प्रकोष्ठ के रजत जयन्ती वर्ष के उपलक्ष में

21वां दो दिवसीय अखिल भारतीय माहेश्वरी युवक-युवती

परिचय सम्मेलन

26-27 मार्च, 2022

आयोजन स्थल : 'उत्सव' जनोपयोगी भवन, सेक्टर-2, विद्याधर नगर, जयपुर-302039

मुख्य अतिथि
श्री जेठमल जी बंग
डिब्रुगढ़ (आसाम)

विशिष्ट अतिथि
श्री कल्याण सहाय जी बियानी
जयपुर

उद्घाटनकर्ता-सांस्कृतिक कार्यक्रम
श्री प्रकाशचंद जी पोरवाल
भीलवाड़ा

उद्घाटन समारोह
शनिवार,
दिनांक 26 मार्च 2022
प्रात: 10:00 बजे

सांस्कृतिक कार्यक्रम
शनिवार,
दिनांक 26 मार्च 2022
सायं 07:00 बजे

समापन समारोह
रविवार
दिनांक 27 मार्च 2022
सायं 05:00 बजे

निवेदक

प्रदीप बाहेती अध्यक्ष	गोपाल लाल मालपानी महामंत्री	नथमल मालू चेयरमैन-विवाह प्रकोष्ठ	रमेश चन्द परवाल वाइस चेयरमैन-विवाह प्रकोष्ठ	विष्णु लद्ढा मंत्री विवाह प्रकोष्ठ

देवेन्द्र झंवर संयोजक-परिचय सम्मेलन	रामदास कोठ्यारी कोषाध्यक्ष, परिचय सम्मेलन	अम्बिका प्रसाद बियानी प्रबंध संपादक	श्यामरतन पटवारी विज्ञापन संयोजक	घनश्याम भण्डारी कार्यालय समन्वयक

श्री माहेश्वरी डायलिसिस डायग

210-ए, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नगर, गौतम नगर, निर्माण नगर, जयपुर-19 | फोन

लैब का समय : प्रातः 8 से सायं 6 बजे (सोमवार से श

Physiotheraphy
Starts @ ₹ 200/-

सोनोग्राफी
प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तक

Blood Sugar 30/-	Cholesterol 30/-	Creatinine 40/-	SGOT 40/-	SGPT 40/-	Ele
Urine R/E 40/-	Uric Acid 50/-	Calcium 50/-	Sodium 50/-	CBC 100/-	Lip

जाँचें बहुत किफायती दरों पर की जाती हैं एवं रिपोर्ट ई–मेल पर भेजी जाती हैं।
नोट : घर से सैम्पल कलेक्शन की सुविधा उचित दरों पर उपलब्ध

श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित)

पी-10ए, सेक्टर 2, उत्सव भवन के पास, विद्याधर नगर, जयपुर-302039

फोन : 0141-2230511, 6377506355

Email : testreports.smdc@gmail.com, gopal@shrimaheshwaridiagnostic.com

Website : www.shrimaheshwaridiagnostic.com

लैब का समय : प्रातः 8 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
प्रातः 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक (रविवार)

SONOGRAPHY * • DIGITAL X-RAY * • 2D-EHCO

ULT

ब्लड
कलेक्श
सेन्टर

नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर

DIALYSIS

Starts @ ₹850/-

: 0141-2948761, 2948760 मोबा. : 8306300304 | Email : smddrclab@gmail.com

निवार) | प्रातः 8 से दोपहर 2 बजे (रविवार)

ectrolytes 50/-	PSA 220/-	Hb A1C 200/-	Liver Function 200/-	Thyroid Profile 200/-
oid Profile 250/-	RFT 400/-	Vitamin B-12 400/-	Dengue Test 450/-	Vitamin D-3 750/-

RA SONOGRAPHY

- Whole abdomen
- Limb Doppler
- Small parts (thyroid, testes, breast etc.)

तिलक नगर श्री माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, विजयपथ, तिलक नगर, जयपुर • फोन : 0141-4045927

श्याम नगर 87, सरतीनगर, जनपथ, श्यामनगर, जयपुर • फोन : 0141-4924112, 9414074134

टोंक फाटक महेश कॉलोनी, जेपी अण्डरपास के पास, महेश सत्संग भवन, बेसमेंट, टोंक फाटक, जयपुर
फोन : 0141-3511267, 8306300165

निवारु रोड शॉप नं. 59, सेन्ट ऐन्सलम स्कूल के सामने, मदरलैण्ड स्कूल के पास, निवारु रोड, जयपुर
फोन : 0141-3511857, 9649044777

घर से सैम्पल कलेक्शन की सुविधा उचित दरों पर उपलब्ध

समय : प्रातः 8 बजे से सायं 4 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक (रविवार)

कलर सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध

कृष्णधाम

1. श्री श्रीकिशन, श्री बुद्धि प्रकाश भाला (सूरत निवासी) ने आश्रम में अपनी सुपुत्री के विवाह के उपलक्ष्य में डिनर करवाया एवं 2100/- (दो हजार एक सौ रुपए) भेंट किये ।
2. श्रीमती निर्मला धर्मपत्नी श्री सत्यनारायण सोमानी (श्रीमाधोपुर) ने अपनी शादी की वर्षगांठ पर आश्रमवासियों को नास्ता करवाया।
3. स्व. श्रीमती भगवती देवी सारड़ा की इच्छानुसार श्री देवी प्रसाद मनोज कुमार सारडा, रेनवाल निवासी ने स्व. श्रीमती भगवती देवी श्री देवी प्रसाद सेवा कोष रुपए 1,01,001/- का बनवाया। प्रेरक- श्री सत्यनारायण सोमानी, वैभव सारडा।
4. श्री अनिल मालपानी सुपुत्र श्री हंसराज मालपानी ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में आश्रम में लंच हेतु सहयोग दिया। प्रेरक- श्री एस.एन. असावा।
5. श्री सुबोध कुमार साबू (बनीपार्क) ने आश्रम में लंच हेतु सहयोग दिया। सहयोग-श्री आशीष साबू ।
6. श्री रमेश झंवर ने अपने सुपोत्र रियान सुपुत्र श्री पंकज झंवर के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर आश्रमवासियों को लंच हेतु सहयोग किया। प्रेरक- श्रीमती आरती झंवर ।
7. श्री विजय सुपुत्र स्व. श्री प्रहलाद दास डागा द्वारा श्री श्याम भजनोत्सव के उपलक्ष्य में आश्रम में डिनर की व्यवस्था करवाई। संपर्क- श्री राकेश सारडा (सीकर)।
8. **भूलसुधार-** फरवरी 2022. में श्री दिनेश परवाल सुपुत्र स्व.श्री आनंदी लाल परवाल द्वारा आश्रम को 68 किलोग्राम खाद्य सामग्री दी गयी थी गलती से 8 किलोग्राम प्रकाशित हो गयी थी। त्रुटि के लिए खेद है ।

सभी सहयोगियों और दानदाताओं का आभार एवं अभिनन्दन।

मालचंद बाहेती, वरिष्ठजन आवास एवं कल्याण मंत्री, 9829461340

हार्दिक बधाई

सुश्री याशिका माहेश्वरी सुपुत्री श्री योगेश एवं श्रीमती निर्मला मणियार, जयपुर को WIPO द्वारा 'Best Leading Lawyers-2022' के खिताब से सम्मानित होने पर।

पराग मालाणी सुपुत्र श्री प्रकाश मालाणी द्वारा सी.ए. परीक्षा उत्तीर्ण कर All India Rank-16 लाने पर।

प्रियांश सोढाणी सुपुत्र श्री अशोक सोढाणी द्वारा सी.ए. परीक्षा उत्तीर्ण कर All India Rank-37 लाने पर।

मेघा सोमानी सुपुत्री श्री रमेश चन्द-नीता सोमानी नवल किशोर सोमानी द्वारा सीए. फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण करने पर बधाई।

कैलीग्राफी एक्सपर्ट गौरी माहेश्वरी को जयपुर नगर निगम (ग्रेटर) द्वारा स्वच्छता ब्रांड एंबेसेडर बनाए जाने पर।

Pratham
FINANCIAL SERVICES

Krishan Kumar Mohta (Monu)
Shreyansh Mohta

Business Loan | Home Loan | Mortgage Loan
Vehicle Loan | Personal Loan

% Best Interest Rates | Fast Approval | Doorstep Service | Hassle Free

78780 27050 | 0141-4028539 | prathamfs.jaipur@gmail.com

721, Khajanchi Sadan, Bordi Ka Rasta, Kishanpole Bazar, Jaipur-302002

नवदम्पत्तियों को सुखमय जीवन की शुभकामनाएँ

दिनांक	वर	वर के पिता/माता	वधू	वधू के पिता/माता
18.02.2022	अंकुर	श्री सत्यनारायण परवाल	रितिका	श्री कन्हैयालाल झंवर
18.02.2022	शैलेश	श्री संजय सारड़ा	गुड्डू (डिम्पल)	श्रीमती सुमित्रा बिड़ला
18.02.2022	सिद्धार्थ	श्री अनिल कुमार सोमानी	कविता	श्री रामेश्वर जी
18.02.2022	आदित्य	श्री मंगल बिहारी काबरा	हर्षा	श्री संजय कुमार मालानी
18.02.2022	मोहक	श्री महेश कुमार नढाणी	तनुश्री	श्री अशोक अजमेरा
18.02.2022	आशीष	श्री कृष्णमुरारी सोमानी	अक्षिता	श्री राजेश जैथलिया
19.02.2022	रजत	श्री विजय कुमार माहेश्वरी	पूजा	श्री बुद्धि प्रकाश भाला
20.02.2022	अमन	श्री श्रवण जी	आकांक्षा	श्री अनुराग फोफलिया
22.02.2022	पीयूष	श्री सुभाष चन्द जी	प्राची	श्री सन्तोष कुमार सोमानी
24.02.2022	अक्षय	श्री राजेन्द्र कुमार मालू	प्रिया	श्री दिलजीत सिंह जी
26.02.2022	अक्षय	श्री गणेश झंवर	साक्षी	श्री जितेन्द्र कुमार डांगरा
28.02.2022	आयुष	राजकुमार छापरवाल	भाविका	श्री राजीव जी
04.03.2022	आदित्य	श्री दिनेश तोतला	प्रियंका	श्री भगवान सोनी
04.03.2022	शुभम	श्री पवन कुमार मोहता	प्राचिका	श्री विनोद कुमार लढ्ढा
04.03.2022	सुयोग (गोविन्द)	श्री सत्यनारायण काबरा	राधिका	श्री विनोद कुमार करनानी
04.03.2022	आशीष	श्री विजय नारायण जी	पूर्वा	श्री पवन सोमानी
04.03.2022	गिरिराज	श्रीमती ज्योत्सना डागा	शिवानी	श्री राजेन्द्र प्रसाद मालानी

गोविंददेव गिरि ने बताए सुखी परिवार के सूत्र

सुखी परिवार वही, जहां सुख और दुख में हो एक रूपता

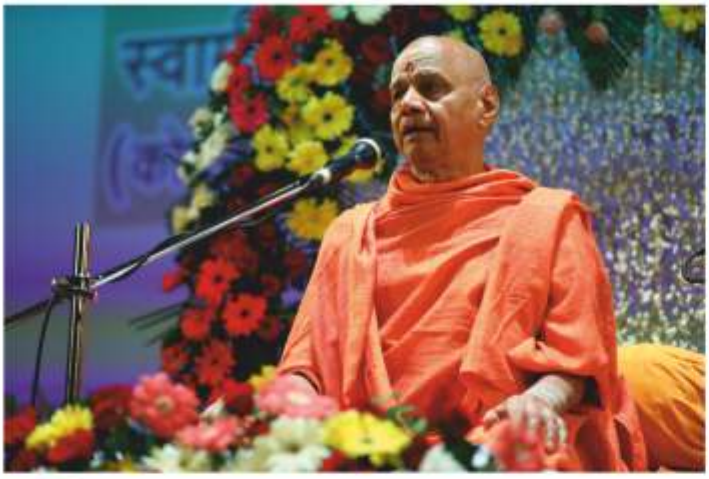

श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के तत्वावधान में आयोजित ''सुखी परिवार के सरल सूत्र'' कार्यक्रम में स्वामी गोविंद देव गिरि जी महाराज ने परिवार की खुशहाली के सूत्र बताए। उन्होंने कहा कि बढ़ती भौतिकवादिता से आज अधिकांश परिवारों में कलह बढ़ गई है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि आपसी सामंजस्य से ही परिवार में खुशहाली रह सकती है। कार्यक्रम का आयोजन एमपीएस जवाहर नगर में किया गया था। सुखी परिवार की व्याख्या करते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरि जी महाराज ने कहा कि अनके परिवारों में वैचारिक टकराहट के कारण कलह का वातावरण बन जाता है। ऐसी स्थिति से बचना चाहिए। परिवार के सभी सदस्यों को एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवार की खुशी के लिए दो बातें बहुत जरूरी हैं, वह हैं पवित्रता और प्रसन्नता। आनंदपूर्वक सबका विकास करने के स्थान को परिवार कहते हैं।

उन्होंने कहा कि आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि हम परिवार में एक साथ तो रहते हैं, लेकिन हमारे मन नहीं मिलते। इंटरनेट के जमाने में संसार तो कमरे में आ गया, लेकिन एक कमरे में रहने वाले लोग एक दूसरे को देखते तक नहीं।

गोविंददेव गिरि महाराज ने कहा कि राज्य का आदर्श राम राज्य और परिवार का आदर्श गोकुल जैसा होना चाहिए। सुखी परिवार वही होता है, जहां सुख और दुख में एक रूपता हो।

बाप आखिर बाप होता है

दिल में खुशी और होठों पर मुस्कान लिये
घर बसाया था मैंने कई अरमान लिये।
बेहद ही हसीन यह सारा सफल रहा,
बुजुर्गों के आशीर्वाद का असर रहा।
कुल देवी की कृपा से पुत्र-रत्न पाया,
जिसकी अच्छी परवरिश की और बुरी आदतों से बचाया।
मां दुर्गा सरस्वती के आशीर्वाद से बच्चे बड़े हुए,
पढ़े लिखे और अपने पैरों पर खड़े हुए।
एक बाप की उम्मीद टूटती है जब बच्चे लेते नहीं खबर,
वक्त जरूरत पर भी आते नहीं नजर।
बाप की लाइफ गुजर जाती है बच्चों की लाइफ बनाने में,
और बच्चा स्टेटस पर लिखता है
'वाइफ इज माय लाइफ' इस जमाने में।
खैर जिसने तुम्हें पाल पोस कर बड़ा किया
वह खुद को भी पालना जानता है,
वह भी मंजा हुआ खिलाड़ी है हर मुश्किलों को टालना जानता है।
उसे तुम्हारी मेहरबानी पर जीने की जरूरत नहीं,
वह तो सिर्फ तुम्हारे निभाने का फर्ज देखता है।
उसने पाला तुम्हें सौ कमा कर भी,
और तू लाखों कमा कर भी कर्ज देखता है।
बाप आखिर बाप होता है जमाने को यह बताने को,
हूं अभी मैं जिंदा अपना फर्ज निभाने को।
चलो हिसाब बराबर रहा अब कोई गम नहीं,
हमारे पास तुम नहीं और तुम्हारे पास हम नहीं।।

■ सत्यनारायण शारदा

उल्लास, उमंग, प्यार का मौसम आया,
हर तरफ फाल्गुन का खुमार छाया।
रंगों से सराबोर हुई धरती,
कण-कण में प्रणय राग है भरती।

उल्लास, उमंग, प्यार का मौसम आया

मंद मंद बहती है बयार,
तन मन को करते झंकृत प्रेम के तार।
हरी चुनर पर पीले फूल,
देख छटा धरा के दुख संताप जाए भूल।
फाल्गुन खेलन मन मीत है आया,
स्वप्न सजीला मन को हरषाया।
प्रीत डोर का बंधन है सुहाता,
बंसी को जैसे मोहन है भाता।
ब्रज की रज- रज में कान्हा समाया,
प्रेम धुन पर रास रचाया।
चंग की थाप संग उड़ती गुलाल,
गोपियों ग्वालों की टोली मचाए धमाल।
सतरंगी फुहार में भीगे कण-कण,
प्रेम गुलाल बरसाए सजनी- सजन।

■ विनीता काबरा

श्री सत्यनारायण हिंगड़ द्वारा वैशाली नगर में भूमि पूजन

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर को श्री सत्यनारायण जी हिंगर पुत्र स्व. श्री बंशीलाल जी हिंगर ने धार्मिक व सामाजिक सेवार्थ भावना से अपनी एकल स्वामित्व की सम्पत्ति, जो वैशाली नगर, जयपुर में स्थित है को श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर को उपहार स्वरूप प्रदत्त किया है। जिसका शुक्रवार 04 मार्च को भूमि पूजन किया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, संगठन मंत्री श्री रमेश चन्द जाखोटिया, शिक्षा सचिव (एम.पी.एस. इंटरनेशनल, स्कूल) श्री निर्मल दरगड़ एवं समाज के अन्य गणमान्य बन्धु मौजूद रहे। इस भूखण्ड का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया।

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर श्री सत्यनारायण हिंगड़ एवं डॉ. आशा हिंगड़ का हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

Deepak Bhandari
+91-9829051091
+91-9460951091

WE CREATE MEMORIES
Satkaar
Event & Decorators

WE CREATE MEMORIES
Satkaar
Caterers

Your Trust & Safety is Our Responsibility

Rahul Jajoo
+91-9828112085

Wedding Planner & Event Management (Sangeet, Birthday Parties, Get Togethers)
Outdoor Food Catering, Online Sweets & Food Service's

Off. Add. :- 1156, Nirwan Marg, Jhotwara Road, Jaipur
Workshop Add. :- 21, Dayal Nagar, Gopalpura Bypass, Jaipur

1000/- के ऑर्डर पर
डिलीवरी फ्री

Place Your Order
(Before One Day):

Paytm
9024643576 or
Cash on Delivery

रामनवमी
की हार्दिक
शुभकामनाएँ

स्नेहलता साबू M : 9828785881

राजनैतिक दायित्व
- वार्ड अध्यक्ष (2004-2009)
- मंडल अध्यक्ष (2009-2015)
- पूर्व जिला महामंत्री

सामाजिक दायित्व
- सचिव- पैरेंट्स वेल्फेयर सोसायटी
- सचिव- मोक्षधाम समिति, सेक्टर 10, विधाधर नगर जयपुर

श्री माहेश्वरी महिला परिषद
- सचिव (2019-2022)
- संयुक्त सचिव (2013-2015)
- सचिव- (2015-2018)

।। श्री गणेशाय नमः ।।

मानव सत्संग समिति, कोलकाता एवं जयपुर शाखा के तत्वाधान में

सप्त दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन

दिनांक 11 अप्रेल 2022 सोमवार से 17 अप्रेल 2022 रविवार तक

समयः दोपहर 02.30 बजे से सांय 06.00 बजे

कथा स्थलः आदर्श विद्या मंदिर हॉल, अम्बाबाड़ी, जयपुर

रामकथा वक्ताः पूज्या साध्वी डॉ. विश्वेश्वरी देवी जी

संस्थापिका एवं परमाध्यक्षा श्रीरामकृपा धाम ट्रस्ट, हरिद्वार

आप सभी धर्म प्रिय भक्तजन अपने इष्ट मित्रों सहित इस संगीतमय राम कथा का श्रवण कर रसास्वादन पाने के लिए सादर आमंत्रित हैं।

कथा यजमानः- श्री रामबल्लभ जाखोटिया (कोषाध्यक्ष),श्रीमती गीता जाखोटिया, श्री जितेन्द्र फलोड़, श्री नारायण प्रसाद सक्सेना, श्री नाथूराम गुप्ता, श्रीमती परमेश्वरी देवी मूंधड़ा , श्री प्रहलाद अग्रवाल, श्री रामस्वरुप विजय, श्री राजेन्द्र अग्रवाल, श्री रमेश कासट, श्री सतेन्द्र कुमार अत्री, श्री श्रीचन्द लड्ढा, श्री श्याम सुन्दर काल्या, श्री श्याम सुन्दर दीपक कुमार सोमानी, श्री विजय नागपाल

-: विनीतः-

जयपुर	रामबल्लभ जाखोटिया मो. 9829173611	सत्यनारायण शारदा मो. 8003495316	महेश अग्रवाल मो. 9829132808	विजय कुमार तापड़िया मो. 9314066350
कोलकाता	घनश्यामदास मोदानी मो. 9432498728	डॉ. श्रीबल्लभ नागोरी मो. 7890078911	राकेश सिंह मो. 9830010132	श्रीबल्लभ भूतड़ा मो. 9331055579

प्रदीप बाहेती
अध्यक्ष

नटवर लाल अजमेरा
महासचिव शिक्षा

एमपीएस संस्कृति, तुलसी मार्ग, बनीपार्क

ऋतुराज बसंत का आगमन होते ही प्रकृति की छटा देखते ही बनती है। सरसों की फसल, बगीचे में खिलखिलाते फूल, चारों तरफ हरियाली और गुलाबी ठंड मौसम को और भी खुशनुमा बना देती है।

बसंत पंचमी उत्सव

5 फरवरी को विद्यालय परिसरमें सरस्वती पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्कृति सचिव श्री संजय काबरा तथा भवन सचिव श्री गिरधर झंवर ने ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा की तथा बच्चों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएँ दीं। बच्चों के लिए वर्चुअल पूजा का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपने घर से पूजा और आरती की।

इस अवसर पर संस्कृति एमएमसी श्री दीपक मालपानी, श्रीमती बिमला मालपानी व श्रीमती अल्का माहेश्वरी उपस्थित थे।

थीम, कलर, एण्ड शेप

फरवरी माह की थीम Plants and flowers, colour pink, shape heart and season 'spring' रहा।

बच्चों को पार्ट्स ऑफ tree की जानकारी के साथ कई तरह के फूलों के नाम बताए गए। फूलों से माला बनाना, फूलों और पत्तों से रंग भरना और कई तरह के फूल और पौधों से क्या क्या बनता है उसकी जानकारी दी गई। सब्जियों तथा फल द्वारा बच्चों से पार्ट्स ऑफ प्लांट्स एक्टिविटी करवाई गई। हार्ट शेप की जानकारी देते हुए बच्चों से हार्ट शेप कार्ड बनवाए गए।

कोरोना संक्रमण समाप्ति की और है। गवर्नमेंट की गाइडलाइन्स के अनुसार स्कूल बच्चों के लिए खोल दिये गए हैं। बच्चों ने 17.02.2022 से आना शुरू कर दिया है।

"Story Narration Activity"-

बच्चों को moraleducation देने के लिए समय समय पर स्टोरी टेलिंग एक्टिविटी की जाती है। जिसमें बच्चों को रुचिकर स्टोरी द्वारा शिक्षाप्रद बाते सीखायी जाती है। "Goldi locks And Three Bears" के द्वारा बच्चों को सिखाया गया कि बिना माता-पिता की आज्ञा से हमें कहीं बाहर नहीं जाना चाहिए तथा अजनबी लोगों से दूर रहना चाहिए।

"How to tie shoe laces".

बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह एक्टिविटी करवाई गई। बच्चों को अपनी शू-लेस कैसे बांधनी चाहिए इसके बारें में बताया गया।

"English Rhyme Competition".

बच्चों की पब्लिक स्पीकिंग को विकसित करने के लिए English rhyme recitation किया गया, जिसमें बच्चों ने विभिन्न प्रोप्स तथा role play करके Rhyme सुनाकर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया।

प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने वाले विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। संस्कृति के नवीन परिसर का निर्माण कार्य प्रगति पर है, सत्र 2022-2023 की प्रवेश प्रक्रिया अनवरत जारी है।

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

माहेश्वरी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, प्रताप नगर

महाविद्यालय में मनाई वसंत पंचमी

कॉलेज में 5 फरवरी को डांस क्लब के तत्वावधान में वसंत पंचमी उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रांगण में स्थापित माँ सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर विधिवत पूजन किया गया। इस कार्यक्रम में कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. मनीष राठी, टीचिंग स्टाफ, नॉन टीचिंग स्टाफ व समस्त विद्यार्थी सम्मिलित हुए तथा सुख शांति, विद्या व सफल जीवन के लिए मां सरस्वती से प्रार्थना की गई। महाविद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना का गायन प्रस्तुत किया।

विश्व कैंसर दिवस पर जनजागृति अभियान के तहर कैंसर अवेयरनेस प्रश्नोत्तरी का आयोजन

विश्व कैंसर दिवस पर छात्राओं में कैंसर के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से कॉलेज में जनजागरूकता अभियान प्रारम्भ किया गया। डॉ. सुमिता सारडा ने कैंसर को लेकर लोगों में फैली विभिन्न भ्रांतियों का पीपीटी के माध्यम निवारण किया। इस अवसर पर पिछले छह माह से कैंसर से लड़ रही एबीएसटी विभाग की डॉ. रीना जैन ने अपने अनुभव छात्राओं के साथ साझा करते हुएए आत्मविश्वास के साथ रोग से जूझने का संदेश दिया। कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. मनीष राठी ने सभी छात्राओं व कॉलेज स्टाफ को अपनी लाइफ स्टाइल को संयमित रखते हुए कैंसर अवेयर प्लान समझाया। कार्यक्रम का संचालन डायरेक्टर, स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. मधु गुप्ता ने किया, साथ ही उन्होंने कैंसर अवेयरनेस प्रश्नोत्तरी भी करवाई, जिसमें बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा ज्योतिकुमारी विजेता रहीं। महाविद्यालय प्रबंधन के चेयरमैन श्री प्रदीप बाहेती, महासचिव श्री नटवरलाल अजमेरा, मानद सचिव कैलाश चंद अजमेरा, भवनमंत्री श्री सुनील मालपानी, हॉस्टल समन्वयक श्री सांवरमल परवाल ने छात्राओं को ऑनलाइन अवेयरनेस संदेश प्रेषित किया।

शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन

कॉलेज के भूगोल विभाग की सहायक प्रोफेसर मिस नेहा शर्मा द्वारा एम.ए. प्रीवियस व एम.ए. फाइनल की छात्राओं के लिए एक दिन का शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं द्वारा अजमेर जिले के किशनगढ़ तहसील के चूँनड़ी गाँव का सामाजिक, आर्थिक सर्वेक्षण किया गया, जिसमें गाँव के लोगों ने छात्राओं को अपनी समस्याएँ बताईं एवं छात्राओं को अपना सर्वेक्षण कार्य पूरा करने में सहायता की। सर्वेक्षण कार्य पूर्ण होने के पश्चात छात्राओं को किशनगढ़ तहसील की डम्पिंग यार्ड, पुष्कर झील, ब्रह्मा मन्दिर व सावित्री मंदिर भी घुमाए गए। महाविद्यालय के मानद सचिव कैलाश चंद अजमेरा, भवनमंत्री श्री सुनील मालपानी, हॉस्टल समन्वयक श्री सांवरमल परवाल ने शैक्षिक भ्रमण दल को शुभकामनाएँ दीं।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

कॉलेज में 28.02.2022 को महाविद्यालय के विज्ञान विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के उपलक्ष्य में विज्ञान के विभिन्न विषयों पर आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ मनीष राठी ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर सभी छात्राओं को बधाई दी तथा इसके महत्व पर प्रकाश डाला। विज्ञान संकाय की विभागाध्यक्ष डॉ अनीता शर्मा ने बताया कि महान भारतीय वैज्ञानिक डॉक्टर सी. वी. रमन ने आज ही के दिन अपनी महान खोज 'रमन प्रभाव' को दुनिया के समक्ष रखा तथा उन्ही के सम्मान में प्रतिवर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में शुभ वैलनेस सेंटर की श्रीमती शोभा विजयवर्गीय एमडीएएम द्वारा छात्राओं को महिलाओं में होने वाली विभिन्न प्रकार की बीमारियों से संबंधित जानकारी दी तथा सैनिटरी नैपकिन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता के बारे में बताया। इस कार्यक्रम का संचालन कॉमर्स संकाय की डॉ. प्रीति बाहेती द्वारा किया गया तथा हिंदी विभाग की डॉ मधु गुप्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर सभी प्रतिभागियों को महाविद्यालय के मानद सचिव श्री कैलाश चंद अजमेरा, भवन सचिव श्री सुनील मालपानी, हॉस्टल संयोजक श्री सांवरमल परवाल द्वारा ऑनलाइन बधाई संदेश प्रेषित किया गया।

MAHESHWARI GIRLS HOSTEL

Managed by Maheshwari Girls PG College

माहेश्वरी गर्ल्स हॉस्टल में माहेश्वरी कॉलेज में अध्ययनरत छात्राएँ शहर के विभिन्न माहेश्वरी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राएँ, अन्य विद्यालय की छात्राएँ एवं अन्य महाविद्यालय की छात्राओं के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध है जिनका संचालन माहेश्वरी कॉलेज द्वारा किया जाता है हॉस्टल में निम्न सुविधाएं उपलब्ध :-

गतिविधियाँ

विद्यालय के कुल 21 होनहार छात्रों ने सी ए फाउंडेशन परीक्षा में हासिल की सफलता

विद्यालय के लिए अत्यंत हर्ष का विषय रहा कि विद्यालय के कुल 21 होनहार छात्रों ने सी ए फाउंडेशन परीक्षा में सफलता हासिल की है। इन छात्रों में नमन राणा और माधव झँवर ने तो विशेष योग्यता के साथ यह परीक्षा उत्तीर्ण की। अन्य छात्र आराध्य खंडेलवाल, प्रथमेश मंडोवरा, गौरव दुसाद, लक्षित माहेश्वरी, आयुष सेठी, यश, विक्रमजीत, मयंक खंडेलवाल, दिशांक अग्रवाल, स्पर्श अग्रवाल, कार्तिक तोतला, विदित जोशी, लक्षित बांगड़, निशांत शायरा, जय जाखोटिया, प्राज्ञ गुप्ता, अनुराग मालपानी, देवांश पारवाल और तन्मय माहेश्वरी ने सफलता हासिल कर विद्यालय, परिवार व समाज को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर ECMS के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, महासचिव शिक्षा श्री नटवरलाल अजमेरा, विद्यालय के मानद सचिव श्री कमल सोमानी, भवनमंत्री श्री संजय बांगड़ एवं प्राचार्य श्री अशोक वैद ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सीए परीक्षा परिणाम में विद्यालय के छात्रों ने कीर्तिमान स्थापित किया

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) के द्वारा घोषित सीए के परीक्षा परिणामानुसार विद्यालय के छात्रों ने विद्यालय के परचम को और ऊँचा फहराया है। राष्ट्रीय स्तर पर 29 वीं रैंक पर आने वाले रक्षित बियानी ने पूरे विद्यालय ही नहीं माहेश्वरी समाज को भी गौरवान्वित किया है। इसके साथ ही अक्षत माहेश्वरी और मुकुंद मालपानी ने भी सीए उत्तीर्ण छात्रों की शृंखला में अपना गौरवपूर्ण स्थान बनाया है। ECMS के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, महासचिव शिक्षा श्री नटवरलाल अजमेरा, विद्यालय के मानद सचिव श्री कमल सोमानी, भवनमंत्री श्री संजय बांगड़ एवं प्राचार्य श्री अशोक वैद तथा विद्यालय के शिक्षकगण ने हर्ष का अनुभव करते हुए सफल छात्रों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटिंग में विद्यालय के तीन पूर्वछात्रों ने कायम की मिसाल

विद्यालय के लिए लिए गर्व व हर्ष का विषय है कि कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंट में विद्यालय के तीन होनहार व प्रतिभाशाली पूर्व छात्रों ने अखिल भारतीय स्तर पर परचम

फहराया। छात्र पराग मालाणी ने अखिल भारतीय रैंक- 16 (AIR-16), आर्यन ज्ञानचंदानी ने अखिल भारतीय रैंक-31 (AIR-31), तथा प्रियांश सोढानी ने अखिल भारतीय रैंक-37 (AIR-37), पाकर अपनी सफलता व जीत दर्ज की। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, महासचिव शिक्षा श्री नटवरलाल अजमेरा, विद्यालय के मानद सचिव श्री कमल सोमानी, भवनमंत्री श्री संजय बांगड़ एवं प्राचार्य श्री अशोक वैद ने तीनों सफल छात्रों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विद्यालय में फागोत्सव संपन्न

होली के उपलक्ष्य में फागोत्सव पर विद्यालय में कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं। कक्षा 1, 2 व 4 के छात्र-छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुत किए। कृष्ण और राधा का रूप धरकर मनोरम नृत्यों के द्वारा उन्होंने विद्यालय को वृंदावनमय कर दिया। कक्षा 3 के छात्र-छात्राओं ने होली के रंगों को टी-शर्ट पर उकेरा तथा कक्षा 5 के छात्र-छात्राओं ने फाग के गीत गाकर वातावरण को संगीतमय कर दिया। सभी विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अपना उत्साह प्रदर्शित किया।

तक्षशिला सभागार में श्रद्धेय श्री गोविंददेव गिरी महाराज का व्याख्यान

विद्यालय के तक्षशिला सभागार में माहेश्वरी समाज द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में श्री राम जन्मभूमि क्षेत्र न्यास के कोषाध्यक्ष राष्ट्रसंत श्रद्धेय श्री गोविंददेव गिरी महाराज द्वारा व्याख्यान दिया गया, जिसमें सुखी परिवार के सरल सूत्र पर स्वामी ने बहुत ही विशद व्याख्या की। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती समेत समस्त गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित थे। विद्यालय के मानद सचिव श्री कमल सोमानी ने श्रद्धेय महाराज की अगवानी करते हुए उनका मार्गरक्षण किया तथा भवनमंत्री श्री संजय बांगड़ ने परम संत श्री गोविंद देव के चरणों में प्रणाम करके उनसे समाज के लिए कर्मरत रहने का आशीर्वाद प्राप्त किया। महाराज ने अपने व्याख्यान में कहा कि सनातन धर्म पर आधारित चार आश्रमों में गृहस्थ आश्रम द्वारा ही शेष तीन आश्रमों का पालन होता है। सभागार में उपस्थित सभी सुधी श्रोतागण व्याख्यान से लाभान्वित हुए।

प्राचार्य सीबीएसई सहोदय स्कूल्स कॉम्प्लेक्स (परिसर), जयपुर के अध्यक्ष पद हेतु चयनित

विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक वैद सीबीएसई सहोदय स्कूल्स कॉम्प्लेक्स (परिसर), जयपुर के अध्यक्ष पद हेतु सर्वसम्मति से निर्विरोध चयनित हुए हैं। गर्वानुभूति के इस अवसर पर ईसीएमएस के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, महासचिव शिक्षा श्री नटवरलाल अजमेरा, विद्यालय के मानद सचिव कमल सोमानी, भवनमंत्री संजय बांगड, जयपुर के सभी सीबीएसई विद्यालयों के प्राचार्यों व समस्त अध्यापकगण ने उन्हें बधाइयाँ प्रेषित कीं। समग्र शैक्षिक प्रक्रिया का प्रणालीबद्ध युगानुरूप नवीनीकरण और छात्रों के अधिगम व विकास प्रक्रिया की स्वतंत्रता को ध्यान में रखते हुए जयपुर परिसर के सीबीएसई विद्यालयों के इस संगठन में सौ से भी अधिक विद्यालय सदस्य हैं। गौरतलब है कि श्री अशोक वैद इससे पहले भी इस सहोदय स्कूल्स कॉम्प्लेक्स, जयपुर के सचिव पद पर नेतृत्व प्रदान कर रहे थे तथा विगत कई वर्षों से सीबीएसई के सिटी को-ऑर्डिनेटर पद पर भी आसीन हैं। सीबीएसई सहोदय विद्यालय कॉम्प्लेक्स, जयपुर परिसर शैक्षिक प्रबंधन, मूल्यांकन, मानव संसाधन जुटाना, शिक्षकों की व्यावसायिकता का विकास, मूल्याधारित विद्यालय वातावरण, व्यावसायिक शिक्षा आदि छह क्षेत्रों में समान रीति-नीति पर कार्यरत है।

मजबूत इरादों के साथ बढ़ चले कदम

बुनियाद मजबूत हो तो, हौंसलों को उड़ान मिल जाती है, और मंजिल का कठिन सफर हर कदम पर आसान हो जाता है। mgps की छात्राओं ने वर्ष 2021-22 के C.A. Foundation Exam में सफलता हासिल कर अपने कदम मंजिल की ओर बढ़ा दिए। विद्यालय की 20 छात्राओं ने इसे उत्तीर्ण कर नई कहानी लिखी और समृद्धि तोडी ने 329/400 अंक हासिल कर सभी को अपनी प्रतिभा से चौंका दिया।

C.A.Final Exam में हासिल की जीत

विद्यालय की छात्राएँ अपनी मजबूत नींव पर टिक कर शिखर को छूने का जज्बा रखती हैं। mgps के संस्कारों की नींव उन्हें वह मजबूती देती है। इस वर्ष के C.A. Final Exam में वर्ष 2014-15 को उत्तीर्ण छात्राओं दीक्षा माहेश्वरी, परिधि जैन व वर्ष 2015-16 की उत्तीर्ण छात्रा हिमांशी अग्रवाल ने अपनी सफलता की कहानी से विद्यालय का नाम रोशन किया।

कोरोना के खिलाफ हुए लामबंद

mgps के न सिर्फ विद्यार्थी वरन प्रबंधन समिति के सदस्य भी एक दूसरे का हाथ थाम कर कोरोना को मात देने का संकल्प पूरा करने की राह पर एक साथ निकाल पड़े। प्रथम टीकाकरण केंप के पश्चात् कोरोना के दुष्चक्र को तोड़ने के लिए 2nd डोज के लिए टीकाकरण केंप का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया, जिसमें लगभग 1400 विद्यार्थियों ने सुरक्षा चक्र के दूसरे व अंतिम चरण को पूरा किया।

अपनी क्षमताओं को पहचाना

मंजिलों तक के रास्ते अलग-अलग दिशाओं से आते हैं, कौन-सा मेरी क्षमताओं से मिलान कर सकता है यह जानना बहुत जरूरी है और कक्षा 10 के विद्यार्थियों की इसी शंका का समाधान करने के लिए विद्यालय की काउंसलर ने एक aptitude test का आयोजन किया। छात्राओं ने विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी पसंद व क्षमता को जाना। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. सुनीता वशिष्ठ ने छात्राओं के लिए एक करिअर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया, जिसमें छात्राओं के लिए वर्तमान में करिअर के विभिन्न विकल्पों पर चर्चा की और उनकी शंकाओं का समाधान किया। इस सत्र को यूट्यूब के माध्यम से लाइव भी किया गया।

IEO में जीता स्वर्ण पदक

नभ अपने को कितना ही विस्तृत कर ले,
हम नन्हे ही सही, मजबूत हथेलियों से उसे बाँध लेंगे।।

mgpsकी छात्राओं की उड़ान ने विश्व के नभ को छोटा कर दिया है। उनके नन्हे कदम विश्व स्तर की हर कठिन से कठिन प्रतियोगिता को जीत कर स्वयं को साबित कर सकते हैं। इंटरनैशनल इंग्लिश ऑलम्पियाड (IEO) में विद्यालय की कक्षा 3 की छात्रा काव्या बियानी ने अपनी भाषिक क्षमता का परिचय देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल कर विद्यालय के लिए विश्वस्तरीय प्रसिद्धि हासिल की। इसी प्रतियोगिता में कक्षा 10 की छात्रा पूर्वांशी ने तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक हासिल किया।

NTSE को उत्तीर्ण कर छात्रवृत्ति को हसिल किया

मेहनत का फल हमेशा मधुर होता है-इस कहावत को mgps की प्रतिभावान छात्रा ध्रुवी खण्डेलवाल ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षा NTSE के द्वितीय स्तर को उत्तीर्ण कर साबित कर दिया। वर्तमान में कक्षा 11 में अध्ययनरत ध्रुवी को कक्षा 11 व 12 के अध्ययन हेतु 1250 रुपये प्रतिमाह व आगामी महाविद्यालयी शिक्षा हेतु 2000 रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति के रूप में प्राप्त होंगे।

मेरिट में बनाया अपना स्थान

प्रतिभा की चमक, घर-आँगन ही नहीं, दिशा-दिगंतरों तक फैलती है। mgps की प्रतिभाशाली छात्राएँ अपनी प्रतिभा से प्रत्येक स्थान पर अपना मुकाम सुनिश्चित कर रही हैं। mgps से उत्तीर्ण छात्राओं श्रद्धा माहेश्वरी व देवांशी केशोट ने CMA (Cost and Management Accountant -Inter) की परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर क्रमशः 33 वाँ व 39 वाँ स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय की सत्र 2014-15 की उत्तीर्ण छात्राओं राधिका गोयल व खुशबू चौधरी ने MCA की परीक्षा में क्रमशः 1st व 6th रैंक हासिल कर विद्यालय को गौरवान्वित किया।

भारतीय कंपनी सचिव संस्थान की परीक्षा को आँचल अग्रवाल, रीवा मुँदड़ा व कुनिका खण्डेलवाल ने उत्तीर्ण कर अपने सपनों को एक नई उड़ान दी।

C.A. (Intermidiate) की प्रतिष्ठित परीक्षा के I व II ग्रुप को पूजन मोदानी, अवन्तिका बजाज, आयुषी तोडी, गौरवी सारडा व महक खण्डेलवाल ने एक साथ उत्तीर्ण किया व ग्रुप-I को लविशा टैलर, नंदिनी कासट, सिया अग्रवाल, वंदना मोटवानी, मानसी खण्डेलवाल, तनीषा गुप्ता, राधा तुलसियान, पलक खूँटेटा, एशिता खण्डेलवाल व ईशिता नाटानी ने उत्तीर्ण कर विद्यालय को गौरव के पल प्रदान किए।

माँ वीणा वादिनी को किया नमन

वासंती हवा के परों पर सवार,
पीत वस्त्राभूषणों से शृंगारित
वाग्देवी वीणावादिनी को नमन हम करें।
विवेक, धैर्य का संचार हो ,
नित नमन कर, हम यह वंदन करें।।

वसंत ऋतु के आगमन पर विद्या की देवी माँ सरस्वती को समर्पित शुभ दिवस वसंत पंचमी का पर्व mgps के प्रांगण में 5 फरवरी को बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के मानद सचिव श्री मुरारी लाल बिड़ला, प्रधानाचार्या डॉ. सुनीता वशिष्ठ ने पीत वस्त्रों व पुष्पों से सज्जित माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से की। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने वेद ऋचाओं का उच्चारण किया और माँ वीणापाणिनी को समर्पित व वसंत ऋतु के गुणगान से सज्जित गीत व नृत्य को प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शोभा में चार-चाँद लगा दिए।

यादों को समेटे सम्पन्न हुआ विदाई समारोह

बेटियाँ विदा होती हैं आँगन से,
पर उनकी महक, चहक गलियारों में बसती है।
भर कर उड़ान जब लौटती हैं, विश्वास से ,
आँगन फिर चहक उठता है।।

mgps के प्रांगण में आयोजित सत्र 2021-22 की कक्षा 12वीं की छात्राओं के विदाई समारोह के रंगा-रंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय से जुड़ी उनकी 12 साल की यादों को समेटे यह सफर शुरू हुआ, मुख्य अतिथि श्री सुरेश मालपानी व विशिष्ठ अतिथि श्री ललित झँवर, समाज अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, उपाध्यक्ष श्री रमेश कुमार सोमानी, महासचिव शिक्षा श्री नटवर लाल अजमेरा, महामंत्री समाज श्री गोपाल लाल मलपानी, विद्यालय के मानद सचिव श्री मुरारी लाल बिड़ला, भवन मंत्री श्री कमलेश जी लड्ढा, प्रधानाचार्या डॉ. सुनीता वशिष्ठ व अन्य गणमान्य के द्वारा सरस्वती पूजा व दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ शिव वंदना से हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व विशिष्ठ अतिथि का स्वागत पुष्पहार व शॉल ओढ़ाकर किया गया। प्रधानाचार्या ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी गणमान्य सदस्यों का शब्द स्वागत करते हुए छात्राओं को कठिन परिस्थितियों से निराश न होकर उसमें छिपी उम्मीदों को ढूँढकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

समाज अध्यक्ष ने कोरोना की इस विषम परिस्थिति से निकलकर अपने जोश व उत्साह को बरकरार रखने के लिए छात्राओं की सराहना की। महासचिव शिक्षा ने विद्यालय की छात्राओं की उपलब्धियों की सराहना करते हुए एक नया इंद्रधनुषी संसार रचने को प्रेरित किया।

विद्यालय के मानद सचिव ने मुख्य अतिथि का परिचय देते हुए कर्मठ जीवन जीने की प्रेरणा दी। मुख्य अतिथि ने कहा कि वही व्यक्ति वास्तव में सफल है जो अपनी प्रगति को समाज की उन्नति के साथ जोड़ सके। विशिष्ठ अतिथि ने छात्राओं को अपनी क्षमताओं का आकलन कर अपने लक्ष्य को निर्धारित करने को कहा। इस कार्यक्रम में लावण्या राठौर व याशिका माहेश्वरी को उनकी विशिष्ठ उपलब्धियों के लिए 5100 रुपये की राशी से सम्मानित किया गया। कक्षा 11 की छात्राओं द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'सुनहरे पल' को प्रस्तुत किया गया जिसने उनकी विद्यालय से जुड़ी यादों को पुन: जीवित कर दिया। कक्षा 11 की दो छात्राओं के द्वारा एक भावपूर्ण कविता भी प्रस्तुत की गई। विद्यालय के शिक्षकवृंद ने अपने भावों को स्वरबद्ध किया। इस अवसर पर एलुमिनाई कोर कमेटी (2022-25) के सदस्यों के नामों की घोषणा भी की गई, जिसमें सत्र 2006 से अब तक की उत्तीर्ण छात्राओं को विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया। विदाई समारोह के बहुप्रतीक्षित पल अर्थात मिस mgps की उपाधि को गुंजन जैन ने अपने नाम किया। इस अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में कक्षा 12 की छात्राओं को विभिन्न उपाधियाँ प्रदान की गईं। कार्यक्रम के अंत में डेप्यूटी हेड गर्ल ने सभी अतिथिगणों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

Basant Panchami

वाग्देवी सुर नए सजाएँ, कोयल गीत नवेले गाएं।
धरती-अंबर महक बिखेरे, बसंत नया वातावरण सजाए।।

Maheshwari Public School, Pratap Nagar, celebrated BasantPanchami on February 5, 2022, paying obeisance to the Hindu deity Goddess Saraswati, epitome of learning , music & art and welcoming the onset of Spring season.

Honorary Shri Mukesh Rathi, revered member of Management, Shri Manish Modani and Building Secretary, Shri Ashok Ajmera graced the occasion with their esteemed presence and infused a positive energy in the ambience.

The joy of spring took over when the vigorous mpsites showcased their talent through dancing, singing and mellifluous instrumental presentation. The faculty members were dressed in yellow attire to mark the significance of this vibrant hue on this auspicious occasion.

The Principal, Ms.Reeta Bhargava motivated the students to be progressive learners, setting big goals and putting in dedicated efforts to attain the coveted aim.

Vaccination Drive

कोविड से बचने का यही तरीका है।
सबने लगवाया जिंदगी का टीका है।।

Maheshwari Public School, Pratap Nagar organised a vaccination drive on 14th February, 2022 to facilitate children of age group 15-18 years to provide them COVID 19 1st or 2nd dose. About 600 students were inoculated. This initiative of the school to serve the society garnered appreciation and the vaccination drive proved to be immensely successful.

International Mother Language Day

हमको किसने समर्थ किया, मातृभाषा ने अर्थ दिया।
विकसित करके भाषा को, गढ़े राष्ट्र-परिभाषा को।।

With an objective to promote dissemination of mother language of all, create awareness of linguistic and cultural traditions, appreciate diverse cultures of India, Maheshwari Public School Pratap Nagar celebrated International Mother Language Day on the theme **'Ek Bharat Shreshthta Bharat'** on February 21,2022.

The exuberant mpsites of classes 6-12 participated enthusiastically in a gamut of rhetoric activities viz. Essay writing, slogan writing, debate, elocution, article writing, musical and dramatic performances.

The celebration successfully fulfilled its aim of highlighting linguistic diversity and unity of our country.

Glitz 2022

घर से मंदिर है बहुत दूर ....।
चलो किसी रोते हुए बच्चे को हँसाया जाए।।

On 28th February, 2022, a gala event **'Glitz 2022'** was organised for classes I and II in Maheshwari Public School, Pratap Nagar. The amiable presence of Honorary Secretary, Shri Mukesh Rathi, revered Shri Manish Modani and esteemed Shri Ram Chitlangya added lustre to the event.

The scintillating and captivating performances by the tiny tots were lauded by all the distinguished guests and audience. Various games and other activities were the

major attraction of the programme. This event played a pivotal role in imbibing camaraderie among the little ones. The students decked up in colourful dresses left everyone spellbound. All in all, it was an amalgamation of energy, fun and frolic.

At the end, a vote of thanks was extended.

National Science Day

विज्ञान मानवता को आलोकित
करने वाली दीपशिखा है ,
जिसकी ज्योति देश और सीमाओं
के बंधन से मुक्त होकर दैदीप्यमान है।।

"The Science of today is the technology of tomorrow."

To mark the discovery of the Raman effect by Indian physicist Sir C. V. Raman,National Science Day (NSD) is celebrated in India on 28 February every year.

On the occasion of NATIONAL SCIENCE DAY, Science Department of Maheshwari Public School, Pratap Nagar organised a wide array of activities viz. Science Quiz,Symposium, Live Talk on APJ Abdul Kalam, Debate and Elocution for the students of classes 1-12.

Participating with great zeal and enthusiasm, the students showed great scientific temperament. The exchange of ideas and thoughts empowered the future torch bearers.

Success Saga of mpsites

मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान है।
पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से ही 'उड़ान' है।।

In the pursuit of excellence, our gifted students of (Batch 2015-2016) - Himanshi Agarwal and Mohit Gupta wrote a new success saga by qualifying prestigious CA Final Exam 2021, exhibiting their diligence and persistence.

We are elated to share that 17 mpsites- Harsh Sharma,Vidit Jain, Ananya Agrawal, ArpitaToshniwal, Gazal Gupta, Kunal Maheshwari, Manali Jain, Karan Sharma, Vinayak Sharma Arjun Goyal, Rakshita Agarwal, Chahak Agarwal, Khushi Sharma, Rituraj, Kashish Jain have cleared CA Foundation Exam, 2021.

We are proud to announce that ex mpsites Shivam Gupta (AIR 46) Prachi Garg, Yash Jain, Hardik Jain, Soumya Maheshwari, Nupur Mundra (Batch 2019) Dhruv Garg, Prerna Chauhan, Soumya Khandelwal Tushar Goyal have successfully qualified CA Intermediate Exam.

Heartiest Congratulations!

Outstanding Accomplishments

In State Talent Search Examination, 2021 conducted by Government of Rajasthan, 5 students of mpspn-Pratyaksh Gupta 92.78% Raunak Gupta 92.22%, Vedika Agarwal 85.56%, Divyansha Mangal 82.2% Satvik Sharma 82.22% exhibited their grit and tenacity by clearing it with excellent percentage.

Heartiest Congratulations to the young achievers!

We feel ecstatic to announce that Era Jain of class 8 and Roopam Dhingra of class 9 have bagged Consolation Prize in Western Region, All India Essay Writing Competition conducted by Department of Atomic Energy.

Well done! Keep it up.

We are proud to share that Shyam Sundar Sharma an ex mpsite (batch 2016) has got recruited as Sub Inspector in SashastraSeema Bal. Warmest Greetings!

Magnolious Performance in Sports

पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी जरूरी है।
दोनों आपस में जुड़ी हुई एक कड़ी हैं।।

Harshit Sharma of Class 8 added another vibrant feather to the proud cap of MPS, Pratap Nagar by bagging Rajasthan Cricket Association Trophy for taking 9 wickets and being the best Wicket Keeper in Rajasthan under 16 category.

Kudos! We feel ecstatic and proud at this exemplary feat.

An mpsite, Neha Sharma 11A6 stood on Joint Winner position in the 39th National Shooting Ball Championship 2020-2021 held at Ahmedabad, Gujrat.

Praise worthy achievement!

बसंत पंचमी महोत्सव का आयोजन

विद्यालय में माँ सरस्वती के जन्म दिवस 'बसंत पंचमी' की शुरूआत महामंत्री समाज श्री गोपाल लाल मालपानी, प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह और उप-प्राचार्या श्रीमती मंजू शर्मा द्वारा सरस्वती पूजन से हुई। शिक्षिका मेघा मल्होत्रा ने बसंत पंचमी के महत्व और प्रकृति-परिवर्तन के मनुष्य जीवन पर होने वाले प्रभाव को बताया। श्री राजेंद्र माहेश्वरी द्वारा 'माँ शारदे कहाँ तू वीणा बजा रही है' भजन और संगीत विभाग द्वारा सरस्वती वंदना की सुमधुर प्रस्तुति दी गई।

द्वितीय डोज हेतु वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन

विद्यालय में कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए 15 से 18 वर्ष के विद्यार्थियों के लिए कोरोना वैक्सीन की द्वितीय डोज हेतु नि:शुल्क वैक्सीनेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक वैक्सीनेशन करवाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा. राजकुमारी सोमानी के साथ ई.सी.एम.एस. उपाध्यक्ष श्री रमेश कुमार सोमानी, समाज महामंत्री श्री गोपाल लाल मालपानी, कोषाध्यक्ष श्री नटवरलाल सारड़ा, विद्यालय सचिव श्री निर्मल दरगड़, प्रबुद्ध पदाधिकारीगण, एमएमसी मेंबर्स, प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह व उप-प्राचार्या श्रीमती मंजू शर्मा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

'ब्लैक डे' मना कर पुलवामा शहीदों को किया याद

विद्यालय में पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों की शहादत को याद करते हुए 'ब्लैक डे' मनाया गया। शिक्षक श्री महावीर राव ने इस दिवस से जुड़ी ऐतिहासिक जानकारी साझा की। शिक्षकों ने 'ऐ वतन ऐ वतन हमको तेरी कसम' गीत की सुमधुर प्रस्तुति दी। विद्यालय छात्र द्वारा रचित कविता पर शिक्षिका श्रीमती विजयलक्ष्मी जांगिड़ व ममता तिवारी द्वारा एक भाव विभोर लघु नाटिका भी प्रस्तुत की गई जिसने शहीदों की शहादत को जीवंत कर दिया। सभी ने ब्लैक पट्टी और मास्क लगाकर पुलवामा शहीदों के प्रति अपनी भावनाओं को अभिव्यक्ति दी और स्लोगन लिखकर उन्हें शब्द प्रदान किए। कक्षा शिक्षण के दौरान शिक्षकों ने पुलवामा हमले में शहीद वीरों की शहादत के बारे में विद्यार्थियों को बताया।

सूर्य नमस्कार के राष्ट्रीय संकल्प में अपनी सहभागिता

विद्यालय ने स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में गीता परिवार, नेशनल योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन, पतंजलि योगपीठ, क्रीडा भारती तथा हार्टफुलनेस फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान एवं भारत सरकार के मंत्रालय के सहयोग से 75 करोड़ सूर्य नमस्कार के वृहद राष्ट्रीय संकल्प में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए विद्यालय में योग शिक्षिका सुनीता कुमावत द्वारा लगातार 21 दिनों तक विद्यार्थियों से प्रतिदिन 13 सूर्य नमस्कार करवाए गए। विद्यार्थियों ने भी संपूर्ण उत्साह के साथ सूर्य नमस्कार की गतिविधि को पूर्ण कर इसमें अपना योगदान दिया।

स्वर कोकिला लता मंगेशकर को दी श्रद्धांजलि

भारत-रत्न 'स्वर कोकिला' स्व. लता जी को विद्यालय परिवार द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्यालय प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे देश के मन-मानस में सदैव जीवंत रहेंगी। वे संगीत जगत की ध्रुव तारा थीं, जो कभी अस्त नहीं होगा। वे अपने पीछे मानवता के लिए ऐसे कई कार्यों का आरंभ कर गई हैं जो समाज को निरंतर अपनी सेवाएँ देते रहेंगे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विविध गतिविधियों का आयोजन

विद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों को रसायन-शास्त्र, भौतिक-शास्त्र और जीव-विज्ञान प्रयोगशाला दिखाई गई। जहाँ बच्चों ने विज्ञान से संबंधित अनेक प्रयोगों की जानकारी प्राप्त की। अटल टिंकरिंग लैब में उन्होंने रोबोटिक कार व सेन्सर अलार्म की कार्य-प्रणाली के बारे में जाना। इस अवसर पर कक्षा 9 के विद्यार्थियों हेतु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता व समूह चर्चा भी रखी गई।

विशेष उपलब्धियाँ

लेखन के क्षितिज पर शीतिका मुखी

विद्यालय की कक्षा 12वीं की छात्रा शीतिका मुखी ने 'भारतीय युवा पीढ़ी के नाम पत्र' शीर्षक से आलेख लिखा। यह आलेख 'इंडिया ऑफ माय ड्रीम्स' पुस्तक में प्रकाशित हुआ है। शीतिका ने अपने आलेख में भारतीय युवा पीढ़ी का उत्साहवर्धन करते हुए लिखा कि युवा पीढ़ी ही देश की रीढ़ है, जो भारत को उन्नत और खुशहाल बना सकती है। युवाओं को भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के लिए अपना पूर्ण योगदान देना चाहिए तथा शांति व ईमानदारी से कार्य करना चाहिए।

प्रखर ने दिखाया अंकों का कमाल

विद्यालय के कक्षा 7 के छात्र प्रखर बियानी ने अंतर्राष्ट्रीय अबेकस प्रतियोगिता व राष्ट्रीय वैदिक गणित प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

टीचर ऑफ द मंथ

विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती हिना नय्यर व श्रीमती अर्चना बियानी को अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए जनवरी माह में 'टीचर ऑफ द मंथ' के सम्मान से नवाजा गया। प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने दोनों शिक्षिकाओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

विशेष अवसरों पर शुभकामनाएँ

सूर्य सप्तमी, सरोजनी नायडू जयंती और विश्व स्काउट दिवस पर विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं। कक्षा-शिक्षण के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को इन अवसरों के महत्त्व से अवगत कराया।

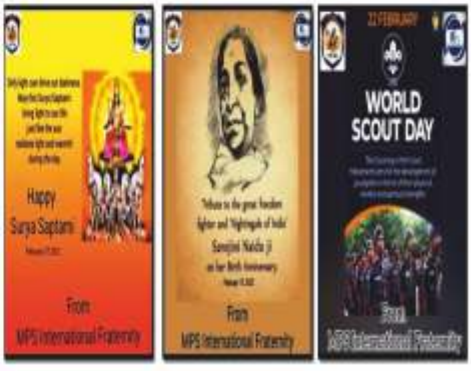

वसंत उत्सव

5 फरवरी, 2022 को वसंत पंचमी धूमधाम से मनाई गई। ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने माँ सरस्वती की आराधना की। विद्यार्थियों ने पीले परिधान पहनकर पीले फूल तथा प्रसाद द्वारा माँ सरस्वती को प्रसन्न करने का प्रयास किया।

बेस्ट आउट ऑव वेस्ट

9 फरवरी, 2022 को कक्षा 1 से 9 तक के विद्यार्थियों के लिए बेस्ट आउट ऑव वेस्ट प्रतियोगिता रखी गई। विद्यार्थियों ने घर में रखे बेकार सामान से उपयोगी सामान बनाकर अपनी सृजनात्मकता का परिचय दिया। सभी कक्षाओं से विजेताओं का चयन किया गया। मानद् सचिव श्री मनोज कुमार बिड़ला तथा प्रधानाचार्य श्री ओ. पी. गुप्ता ने विजेताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

रोल प्ले

16 फरवरी, 2022 को कक्षा 1 से 9 तक के विद्यार्थियों के लिए रोल प्ले प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने शिक्षक, पायलट, पुलिस, जासूस आदि व्यक्तियों के बारे में बताया तथा उनकी भूमिका निभाई। विजेताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। मानद् सचिव श्री मनोज कुमार बिड़ला तथा प्रधानाचार्य श्री ओ. पी. गुप्ता ने विजेताओं की प्रशंसा की।

ड्रॉइंग एक्टिविटी

14 फरवरी, 2022 को संस्कृति के विद्यार्थियों के लिए 'तितली का जीवन-चक्र' नामक गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि में विद्यार्थियों ने चित्र बनाकर तितली के जीवन-चक्र को समझाया। 21 फरवरी, 2022 को लेवल-1 के लिए ड्रॉइंग ऑव हाउस विद् शेप्स एक्टिविटी तथा 28 फरवरी, 2022 को ड्रॉइंग ऑव रोबोट एक्टिविटी का आयोजन किया गया।

काव्य-पाठ

25 फरवरी, 2022 को संस्कृति के तीनों लेवल के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेज़ी काव्य-पाठ प्रतियोगिता रखी गई। विद्यार्थियों ने विभिन्न अंग्रेज़ी कविताओं का प्रस्तुतीकरण अनोखे अंदाज़ में किया। सभी विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में भाग लिया। संस्कृति सचिव श्री संजय काबरा तथा प्रधानाचार्य श्री ओ. पी. गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों की सराहना की।

वसंत पंचमी महोत्सव

05 फरवरी 2022 को बसंत पंचमी के पावन अवसर पर विद्यालय के प्रांगण में माँ शारदे का जन्मोत्सव पर रंगारंग कार्यक्रम कर बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस पावन पर्व पर विद्यालय में पधारे सम्माननीय मुख्य अतिथि श्रीमान रमेश मालू, विशिष्ट अतिथ श्रीमान दिलीप बिहानी, मानद् सचिव श्री श्यामसुंदर तोतला, भवन सचिव श्री सुरेंद्र काबरा, प्राचार्या श्रीमती दलजीत कौर एवं उप प्राचार्य श्री पवन माहेश्वरी आदि गणमान्यजनों ने माँ सरस्वती के चरण वंदन करते हुए दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया। तत्पश्चात् पदाधिकारियों द्वारा आदरणीय मुख्य अतिथि का पुष्पाहार व साफा पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया। विद्यार्थियों व शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियाँ देकर माँ वीणावादिनी को नमन किया। प्राचार्या ने सबको वसंत पंचमी की बधाई देते हुए विद्यार्थी जीवन में इसके महत्त्व पर प्रकाश डाला। अंत में विद्यार्थियों को प्रसाद वितरण भी किया गया।

पाट्र्स ऑफ प्लांट एक्टिविटी

विद्यालय में 16 फरवरी 2022 में पाट्र्स ऑफ प्लांट एक्टिविटी के द्वारा बच्चों को पेड़ के विभिन्न भागों से अवगत करवाया, जिसमें बच्चों को पेड़ों से होने वाले लाभ-हानियों के बारे में बताया तथा पेड़-पौधों के महत्त्व के बारे में समझाते हुए पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। इस गतिविधि में विद्यार्थियों ने फल व सब्जियों के माध्यम से पेड़ों के विभिन्न भागों को क्राफ्ट द्वारा दर्शाया।

अंग्रेजी काव्य पाठ-प्रतियोगिता

विद्यालय में 25 फरवरी 2022 को प्री-प्राइमरी कक्षाओं में नर्सरी, के.जी, प्रेप में अंग्रेजी काव्य पाठ-प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें नन्हे-मुन्ने बाल-गोपालों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा कंठस्थ कविताओं को बहुत ही यति-गति एवं लय के साथ गाते हुए प्रॉप्स के साथ प्रस्तुत किया। विद्यालय में उपस्थित जजों द्वारा प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय विजेताओं का निर्णय कर पुरस्कृत किया।

विदाई समारोह 2022

विद्यार्थियों की विदाई के इन क्षणों में हृदय का भावुकता से प्रतिबद्ध होना स्वाभाविक ही होता है, मिलन व बिछोह जीवन के शाश्वत सत्य है, जिन्हें हमें सहर्ष स्वीकार करना पड़ता है। इसलिए 26 फरवरी 2022 को विद्यालय में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह 'कल आज और कल' का आयोजन बड़े धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमान नरेश अजमेरा कुशल उद्योगपति एवं सजग समाजसेवी, विशिष्ट अतिथि श्रीमान द्वारिका प्रसाद तापड़िया कवि हृदय सुप्रसिद्ध व्यवसायी एवं ख्यातिलब्ध समाजसेवी, 'दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, महासचिव शिक्षा श्री नटवरलाल अजमेरा, मानद् सचिव श्री श्यामसुंदर तोतला, भवन सचिव श्री सुरेंद्र काबरा आदि सभी पदाधिकारीगण उपस्थित थे। इस विदाई समारोह के अवसर पर पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत उद्बोधन करते हुए विद्यार्थियों को शुभकामनाओं के साथ आशीर्वाद स्वरूप अपनी आगामी बोर्ड परीक्षाओं में बेहतरीन परीक्षा परिणाम प्राप्त करते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने तथा कड़ी मेहनत व लगन के साथ उसे प्राप्त करने, विनम्रता एवं कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ अध्ययनशील बने रहने तथा देश, समाज, परिवार तथा मानव मात्र के प्रति दया की भावना रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के द्वारा केट वॉक, सांस्कृतिक नृत्य एवं संगीत की स्वर लहरियों से श्रोताओं के मन को उल्लासित किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती दलजीत कौर ने विद्यालय प्रांगण में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त कर बालकों को प्रेरक वचन तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी बोर्ड परीक्षा के लिए शुभकामनाएँ दीं।

एन.सी.सी. की मासिक गतिविधियों का आयोजन

'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के एक वर्षीय एक्शन प्लान के अन्तर्गत राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों में विद्यालय में संचालित '1 राज आर्म्ड स्क्वाड्रन' राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने फरवरी और मार्च माह 2022 की गतिविधियों में भाग लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शिक्षिकाओं का किया सम्मान

विद्यालय में 8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाकर शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया। मानद् सचिव श्री अशोक कुमार फलोड ने सभी शिक्षिकाओं को पुष्पगुच्छ और शुभकामना संदेश का कार्ड भेंटकर महिला दिवस की बधाई दी।

उन्होंने महिलाओं को समाज में समान अवसर एवं अधिकार प्रदान कर उन्हें आगे बढ़ाने की बात कही। ताकि महिलाएँ सामाजिक स्तर पर भी पुरुषों के समान आगे बढ़ें। न केवल घर अपितु अपने कार्यक्षेत्र भी अपनी योग्यता के अनुसार अवसर की समानता का लाभ लेते हुए, राष्ट्र की उन्नति में समान भागीदार बन सकें। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सुमधुर गीतों की प्रस्तुति से इस विशेष दिन को और भी विशिष्ट बना दिया।

'गुडलक पार्टी' में 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को दी विदाई

10 मार्च, 2022 को विद्यालय के लाहोटी सभागार में आयोजित 'गुडलकपार्टी' में 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को शुभकामनाओं सहित विदाई दी गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, राजस्थान सरकार श्री कुंजीलाल मीना आई.ए.एस., विशिष्ट अतिथि प्रमुख समाज सेवी एवं सुप्रसिद्ध वस्त्र व्यवसायी श्री हरीनारायण माहेश्वरी (कासट), विद्यालय के चेयरमैन श्री प्रदीप बाहेती, उपाध्यक्ष शिक्षा श्री रमेश कुमार सोमानी, विद्यालय के मानद् सचिव श्री अशोक कुमार फलोड़, भवनमंत्री श्री अजय नोवाल, अन्य विद्यालयों से पधारे मानद् सचिव, प्रबंध समिति सदस्यगण एवं समाज के अन्य गणमान्य सदस्यों ने माँ वीणापाणि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यार्थियों का मुख्य द्वार पर रोली व अक्षत से तिलक अभिनंदन किया गया।

विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के द्वारा अपने सीनियर्स को विदाई दी। जिनमें राजस्थानी एवं पाश्चात्य शैली के नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियों के अलावा विद्यालय जीवन की अपनी शरारतों और यादगार खुशनुमा पलों पर आधारित लघुनाटिका ने सभी को आनंद विभोर कर दिया। 12वीं कक्षा के होनहार छात्र गौरांग जैन ने अपनी विचाराभिव्यक्ति दी। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने विद्यार्थियों को निरन्तर परिश्रम से बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने की शुभकामना देते हुए प्रेरक संदेश दिया। चेयरमैन श्री प्रदीप बाहेती ने विद्यार्थियों को शुभकामना संदेश में कहा कि जीवन में हर लक्ष्य को साधने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर आगे बढ़ें। अंत में विद्यालय के मानद् सचिव श्री अशोक कुमार फलोड़ ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य एवं बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं तथा अतिथिगणों का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

English Rhyme Comp.

Poetry is the key of expressing their confidence, expression, language, clarity and presentation. To spread the fragrance of poetry amongst the tiny tots of Nursery , KG and Prep. An English Rhyme Competition was organized in the school. Our cute reciters enjoyed the beauty of expression, thought, feeling, rhythm and the music of words. The main purpose behind conducting such competitions is to build self confidence, develop the oratory skills and self expression. The winners were applauded for showing their enthusiasm and zeal.

Winning is not everything, what really matters is Participation and the fair means to achieve it.

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

माहेश्वरी गर्ल्स सी. सैकण्डरी स्कूल, चौड़ा रास्ता

बसंत पंचमी उत्सव

विद्यालय में 5 फरवरी को बसंतोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर माँ शारदे की आराधना की गई। विद्यालय के मानद् सचिव एडवोकेट द्वारका दास मालू ने माँ वीणापाणि को पीत पुष्पहार पहनाकर तथा उनकी प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर आयोजन का शुभारंभ किया। विद्यालय के भवन मंत्री श्री अनिल कचौलिया ने माँ सरस्वती को रोली, चंदन, हल्दी तथा केसर व पीले रंग की मिठाई अर्पित कर माँ से आशीर्वाद प्राप्त किया।

सरस्वती वंदना के पश्चात् विद्यालय के मानद् सचिव एडवोकेट द्वारका दास मालू ने छात्राओं एवं शिक्षकों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं तथा शिक्षा उपासकों व विद्यार्जन कर रहे विद्यार्थियों के लिए माँ सरस्वती के प्राकट्य दिवस और उनके शृंगार उपादान का महत्त्व बताया। उन्होंने सभी को ऋतुराज बसंत के समान जीवन को उमंग, उल्लास, सकारात्मकता तथा आशावाद से परिपूर्ण रखने और अज्ञानता रूपी अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर बढ़ते रहने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने माँ शारदे से आशीर्वाद प्राप्त कर प्रसाद ग्रहण किया।

सफल रही विद्यालय में परीक्षा- परिचर्चा

आगामी परीक्षाओं के लिए विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य श्री प्रमोद जाजू द्वारा कक्षा IX से XII की छात्राओं को कई महत्त्वपूर्ण सफलता के मंत्र तथा अध्ययन बिंदुओं से अवगत कराया गया, जिनमें परीक्षाजन्य तनाव को कम करने के लिए विविध उपागमों एवं उपायों पर विशेष चर्चा की गई। इसमें कई मुख्य बिन्दुओं पर खुली चर्चा की गई, जिनमें अपने लक्ष्य पर ध्यान एकाग्र करना, डर व नकारात्मक बातों से दूर रहना, समय प्रबंधन, नियमित अध्ययन कर स्वाध्याय करना, पूरी नींद व पौष्टिक भोजन तथा अध्ययन के प्रति पूर्णत: समर्पण आदि मुख्य बिन्दु थे।

कॅरियर मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन

मेरे कॅरियर को मैंने बड़ी मेहनत से बनाया है, बहुत कुछ सहा, तब सफलता को पाया है।

विद्यालय में कक्षा 10वीं तथा 12वीं की छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए कॅरियर मार्गदर्शन कार्यशाला का विधिवत् संचालन किया गया। कॅरियर काउन्सलर्स के रूप में विद्यालय परिवार के वाणिज्य, विज्ञान, संगणक संकाय के अध्यापकगण उपस्थित थे। छात्राओं ने अपने कॅरियर के सम्बन्ध में नवजोश के साथ खुली प्रश्नोत्तरी में भाग लेकर उच्च शिखर पर पहुँचने हेतु विभिन्न सोपानों के विषय में चिन्तन किया ।

विद्यालय परिवार के कार्यवाहक प्राचार्य श्री प्रमोद जाजू ने अपने उद्बोधन में कहा कि-सही समय का इन्तजार करना बेकार है क्योंकि जीवन में सफलता वही प्राप्त करते हैं जो हर समय सफलता के लिए बेचैन रहते हैं। साथ ही यह भी कहा कि, छात्र-छात्राओं के भविष्य निर्माण के लिए जरूरी है उन्हें बेहतर विकल्पों की जानकारी हो। सभी बच्चे प्रतिभाशाली होते हैं जरूरत इस बात की रहती है कि उनकी प्रतिभा को निखार कर उन्हें उस दिशा में सही मार्गदर्शन प्रदान किया जाए।

बजट सत्र का आयोजन

विद्यालय में कक्षा 11वीं व 12वीं वाणिज्य संकाय की छात्राओं द्वारा बजट सत्र का बड़े ही जोश के साथ आगाज किया गया। इसके माध्यम से छात्राओं की प्रतिभा को उभारने और उन्हें भारतीय राजनीति और उसके विभिन्न पदों से रूबरू करवाने का संकल्प लिया गया। विद्यालय के वातावरण को पूर्णत: देश की संसद की तरह तैयार किया गया। किसी छात्रा ने प्रधानमंत्री की भूमिका निभाई तो कोई स्पीकर की भूमिका में नजर आयी। प्रश्नकाल के दौरान पक्ष-विपक्ष के सदस्यों ने मंत्रियों से उनके विभागों की भावी योजनाओं एवं उनके क्रिया-कलापों पर सवाल उठाए। विद्यालय संसद का बजट सत्र हंगामेदार रहा। निजीकरण के खिलाफ, किसानों के मसले पर, मंहगे होते पेट्रोल-डीजल को लेकर भी मुद्दा गर्माया नजर आया। विद्यालय परिवार की शिक्षिकाएँ श्रीमती स्वाति शर्मा, श्रीमती दीपिका माहेश्वरी ने बजट सत्र को सार्थक बताते हुए कार्यक्रम की प्रशंसा की। विद्यालय के मानद् सचिव एडवोकेट द्वारका दास मालू ने अपने उद्बोधन में कहा कि, इस तरह के कार्यक्रमों से छात्राओं में कानून के प्रति जागरूकता पैदा होती है। वहीं छात्र-छात्राओं को संसद की गरिमा, देश में लागू होने वाले कानून आदि के विषय में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त होती है।

शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन

विद्यालय में 10वीं व 12वीं बोर्ड कक्षाओं के लिए 18 फरवरी, 2022 को शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें प्री-बोर्ड परीक्षा के परिणामों की घोषणा की गई। शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन में विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा अपने बच्चों के शैक्षणिक उन्नयन के प्रति जागरूकता दिखाते हुए अपनी संरक्षित छात्राओं की शैक्षणिक प्रगति की जानकारी प्राप्त की और विषय अध्यापकों से विचार विमर्श किया।

स्मृतिशेष स्वजनों को श्रद्धांजलि एवं श्रद्धासुमन

विगत दिनों हमारे समाज के कुछ बंधु/बहनें हमसे बिछुड़ गए। समाज अध्यक्ष, महामंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्यों की ओर से उनके शोक संतप्त परिवारों को हार्दिक संवेदनाऐं प्रेषित हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिव्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दे।

श्रीमती शांति देवी काबरा
19.02.2022

श्री कन्हैयालाल परवाल
22.02.2022

श्रीमती कमला देवी बाहेती
01.03.2022

श्री रामनारायण लोहिया
02.03.2022

श्री किरण कुमार करवा
05.03.2022

श्रीमती संतोष लखोटिया
09.03.2022

श्रीमती फूलाँ देवी सोमानी
10.03.2022

श्रीमती रविन्द्री देवी फोफलिया
10.03.2022

श्रीमती रूकमा देवी जाजू
10.03.2022

समाज बन्धुओं से आग्रह

कृपया तीये की बैठक की अवधि 30 मिनट ही रखें।

समाज आभारी है उन शोकसंतप्त परिवारों का जिन्होंने तीये की बैठक की सीमा 30 मिनट रखी।

विद्युत चालित एवं पारदर्शी ''जागृति अन्तिम दर्शनिका''

अन्तिम संस्कार में देरी की संभावना हो तो, मृत शरीर को ज्यों का त्यों बिना बर्फ आदि के कई दिनों तक 'जागृति अन्तिम दर्शनिका' में अन्तिम दर्शन हेतु यथा स्थिति में आपके घर पर ही रखा जा सकता है। मृत शरीर के डीकम्पोज होने व इससे होने वाले संक्रमण से परिवार व मित्र बच पाते हैं। यह सुविधा 24 घण्टे पूर्ण रूप से निःशुल्क उपलब्ध है।

सम्पर्क सूत्र :- जयकृष्ण जाजू-98290 53031, सुदर्शन फोमरा-93140 36672, आनन्द दम्मानी-93145 00979

गणगौर सेवा केन्द्र

''गणगौर हाऊस'' प्लॉट नं. 166, सेक्टर-2, गणेश पार्क के पास, ''उत्सव'' जनोपयोगी भवन के पीछे, विद्याधर नगर, जयपुर। फोन : 2235363

मेडिकल इक्विपमेंट्स व फर्नीचर की सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध

★ मेडिकल पलंग ★ व्हील चेयर ★ वाकर ★ स्टिक ★ टॉयलेट पॉट
★ टॉयलेट चेयर ★ बैसाखी ★ बैक रेस्ट ★ यूरिन पॉट

सम्पर्क करें :- गणगौर बेसन शॉप, खण्डेला हाऊस, चाँदपोल बाहर, बस स्टैण्ड के पास, झोटवाड़ा रोड, जयपुर, फोन : 0141-2283111

कमल डाइग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेन्टर

KDRC JAIPUR

O-5, हॉस्पिटल मार्ग, एस.एम.एस. हॉस्पिटल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001

फोन : 0141-6452922, 2374777, 4039727

सुविधाएँ

★ M.R.I. 1-5 Tesla ★ सी.टी. स्केन

★ सोनोग्राफी (3D/4D) ★ कलर डॉपलर ★ डिजिटल एक्सरे

★ ईको ★ ई.सी.जी. ★ ई.ई.जी. ★ सी.टी.एम.टी. ★ एन.सी.वी. ★ बायोप्सी ★ एफ.एन.ए.सी. ★ ऑडियोमेट्री

एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध

सभी प्रकार के बायोकेमिकल, हेमटोलोजिकल लेबोरेटरी टेस्ट की सुविधा

डॉ. कमल अग्रवाल 98291-59029

निर्मल मूंढड़ा 98290-50202

डॉ. गौतम शर्मा 94140-74005

BAHETI OPTICIAN

WHOLESALE DEALERS IN ALL KIND OF OPTICAL FRAMES & GLASSES & GOGGLES.

Mukesh Baheti
+91 98290 48022

Ray-Ban | ELLE | VOGUE | fastrack | LACOSTE | TOMMY HILFIGER | ESPRIT

15% DISCOUNT FOR MAHESHWARI SAMAJ

M : 9929076022

A-13, Mall Road, Sector-1, Vidhyadhar Nagar, Jaipur-13

Pradeep Somani

9352488758

NIRMIT PROPERTIES
TO-LET • SALE • PURCHASE

NIRMIT OPTICIANS

20% Discount

G-43, Dwarika Tower, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
E-mail : nirmit.opticians@gmail.com

Ghanshyam Birla (Jimmy)
Mob. No. 9829013154
9314501179

BE

Birla ENTERPRISES

44, Gangori Bazar, Jaipur-302 001
Phone : (O) 91-141-2315324 ® 2322324
Website : www.birlaenterprises.com
Email : birlaenterprises@hotmail.com

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम

- Pension Plan
- Income Continuity Plan
- Children Marriage / Education many more attractive plan
- Loan Liability etc....
- Care Health Insuran ce (Mediclaim) (Free Health Check-up Facility Available)
- Mutual Fund (SIP) Available

Our belief create and save

Free Policy Servicing also Available

Call : 9309337880

आलोक कुमार माहेश्वरी बम्बाला सेक्टर-5, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर
email: alokkumarmaheshwari@gmail.com

MAKE IN INDIA

PURE STONE

TOPSTAR GRANITES

a Unit of Top Star Elect. (India) PVT. LTD.
F-596, Road No. 6, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur-302013 (Raj.)

Ph. +91 9414074924, 0141-2280720
www.topstargranites.com
sanjaytopstar@gmail.com
sales@topstargranites.com
topstareipl@gmail.com

Sanjay Kabra

Shree KRISHNA Group
आपका विश्वास... हमारी पहचान...

॥ जय श्री कृष्णा ॥

भवानी माहेश्वरी (छापरवाल)
93146-51206

जय श्री कृष्णा प्रोपर्टीज एण्ड बिल्डर्स

सी-11-बी, दाधिची नगर, खाटू श्याम मंदिर के पास, एच.टी. लाईन रोड
रोड नं. 5 के सामने, सीकर रोड, जयपुर-302039 Ph.: 8766111100
E-mail : skgroup.jaipur@gmail.com I www.shreekrishnagroupindia.com

SRSP COLOUR ROOF
RELIABLE • DURABLE • ECONOMICAL
Colour Coated Profile Sheets

Kailash Mimani
+91- 8824118281
Harshit Mimani
+91- 8302003095

RESIDENTIAL | COMMERCIAL | INDUSTRIALS
Colour Coated Sheets | Gutters | Flashings
Corners | Ridges Crimps | Installation Accessories

Road No.9A, VKI Industrial Area, Sikar Road, Jaipur - (Raj.)

Sparklez
Creating An Aura

Sharad Bagree
+91-9269099995
+91-9214145888

Weddings | Corporate | Photography
Catering | Birthday | Anniversary
Baby Shower & All Type of events

Registered in Utsav Maheshwari Bhawan

Address : F-255, Priyadarshini Marg, Shyam Nagar, Jaipur
E-mail : sparklezaura@gmail.com I https://m.facebook/sparklezjaipur/

EXIDE POWER BRIGADE

DEALS IN
EXIDE BATTERY - TWO WHEELER, FOUR WHEELER & HEAVY VEHICLES
EXIDE INVERTORS & INVERTOR BATTERY
UPS BATTERY & SMF BATTERY

PLATINUM HIT DISTRIBUTOR
HEMANT MACHHAR - 9928789449
HARI OM BATTERY

EXIDE POWER BRIGADE
HARI KISHAN MACHHAR - 9414073249
HIND MOTORS (SINCE 1965)

OPP. AGARWAL COLLEGE, AGRA ROAD, JAIPUR 302004

Attention Parents of Students Presently in Class V, VI & VII (Going to Class VI, VII & VIII in 2022)

FIITJEE announces

Junior SMART

Junior Science Maths Aptitude & Reasoning Test

For Students Going to Class VI, VII & VIII in 2022

Test Dates : 20th March, 3rd and 17th April 2022

Why Junior Science Maths Aptitude & Reasoning Test

- Early exposure to Relevant Regional/National Level Exams.
- Valuable inputs to the parent about child potential, strength and weakness.
- Scientific assessment of the child analytical skills and IQ.
- Opportunity to avail scholarship upto 100% for FIITJEE Classroom Program for Class VI, VII and VIII.

LITTLE GENIE	One Year Foundation Program	for Students going to **Class VI** in 2022
UDAYA	Two Year Classroom Program	for Students going to **Class VII** in 2022
UDAYA	One Year Classroom Program	for Students going to **Class VIII** in 2022

- These programs comprehensively prepare for school and class relevant scholastic and competitive exam at City / State / National Level.
- A strong foundation for future competitive exam like NTSE, IJSO/NSEJS, Pre RMO, RMO, Green Olympiads etc.
- Enhances the IQ level and Analytical skills of a child
- Trains a student for overall logical thinking and scientific aptitude at an early age thereby transforming the student for life.

Why FIITJEE is the only Institute of Real Substance?

- Small Batch Size
- Best Faculty
- myPAT- The best Examination & Analysis system
- Comprehensive Study Material
- Enabling Infrastructure
- Personalised Coaching

Yet Again Proven by the Dominant Results in JEE Advanced 2021

Number of FIITJEE Students **Topping their IIT Zone / State / City** from FIITJEE's Long Term Classroom & Integrated School Programs only.

5 IIT Zone Toppers | **12** State Toppers | **22** City Toppers

6 in Top 10 | 12 in Top 20 | 24 in Top 50
42 in Top 100 All India Ranks

For Students Presently in Class **VIII, IX, X & XI**

Scholarship Cum Admission Test
20th March, 3rd & 17th April, 2022

2 out of every 3 Students from FIITJEE Jaipur Centre

make it to an IIT/NIT or IIIT and his consistency as been maintained since last 12 years!

FIITJEE JAIPUR CENTRE

J.L.N. Marg Campus: 3-A, D.L. Tower, Vidyaashram Institutional Area, J.L.N. Marg, Jaipur - 302017 | Ph: 0141-5198183, 8875555802, 8875555804
Vaishali Campus: 1st Floor, Vaibhav Multiplex, C-1, 'C' Block, Amrapali Circle, Vaishali Nagar, Jaipur - 302021 | Ph: 0141-4920319, 8875555802
Vidyadhar Nagar Campus: 302, 3rd Floor, Times Square, Central Spine, Vidyadhar Nagar, Jaipur - 302023 | Ph: 0141-4920318, 8875555804

स्वत्त्वाधिकारी श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक- मुद्रक गोपाल लाल मालपानी, महामंत्री द्वारा रेनबो प्रिन्टर्स, जयपुर से मुद्रित एवं श्री माहेश्वरी भवन, सिंघी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर-302003 से प्रकाशित। सम्पादक- रामदास कोठ्यारी